ठाणे - मुंबई से प्रकाशित

मंगलवार, 25 नवंबर 2025

वर्ष - 18, अंक-334

मुल्य-2, पृष्ठ-8

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तरुणमित्र

www.tarunmitra.in

संपादक- स्वतंत्र कुमार

श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार

e-mail-tarun.thana@gmail.com

महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार से प्रकाशित

100 टन फूलों से सजी प्रभुराम की नगरी अयोध्या धर्म ध्वज समारोह की तैयारियां अंतिम दौर में

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवा झंडा फहराएंगे

एजेंसी, अयोध्या

उत्तरप्रदेश के अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में 25 नवंबर को होने वाले भव्य ध्वजारोहण समारोह की तैयारी जोर पर हैं। मंदिर और शहर को फूलों की शानदार सजावट से सजाया जा रहा है, पवित्र कार्यक्रम के लिए अयोध्या को रोशन करने के लिए करीब 100 टन फूलों का इस्तेमाल किया है। मंदिर के एक पुजारी ने बताया कि धर्म ध्वज समारोह की तैयारियां ज़ोरशोर से जारी हैं। उन्होंने कहा, सजावट की एक खास बात फूलों का इस्तेमाल है, जो भगवान राम को बहुत प्रिय हैं। आज, अयोध्या फूलों की सजावट से जगमगा रही है, जिसमें सबसे पहले भगवान गणेश और भगवान राम के लिए गेंदे के फूल रखे गए हैं। मंदिर और शहर को सजाने के लिए करीब 100 टन फूलों का इस्तेमाल हो रहा है। सजावट में शामिल मज़दूरों ने कहा कि वे इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनकर खुद को किस्मत वाला मान रहे हैं। एक मजदूर ने बताया कि प्रभु श्री राम के मंदिर का कंस्ट्रक्शन पूरा हो गया है और प्रधानमंत्री मोदी 25 तारीख को आएंगे। उन्होंने कहा, कई तरह के फूलों का इस्तेमाल हो रहा है, और हमें संतों से पूरा सपोर्ट मिल रहा है। एक और मज़दूर ने कहा कि वे खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि उन्हें भगवान राम के दर्शन हुए। उन्होंने कहा, तीन दिन पहले जब से हम आए हैं, काम दिन-रात चल रहा है, और यह बहुत सुंदर लग रहा है। मुख्यमंत्री योगी के ऑफिस के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्री राम मंदिर के ऊपर भगवा झंडा फहराएंगे - इस पल के लिए बड़ी संख्या में देश और विदेशी मेहमानों के आने की उम्मीद है। इस आमद से हॉस्पिटैलिटी, ट्रैवल, लोकल क्राफ़्ट और गुड़ जैसे ओडीओपी से जुड़े प्रोडक्ट जैसे सेक्टर को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, इससे कई करोड़ का बिज़नेस होगा। अयोध्या 25 नवंबर को एक खास पल के लिए तैयारी कर रहा है, जब गर्भगृह में झंडा फहराने की रस्म मंदिर के मुख्य कंस्ट्रक्शन के पूरा होने की निशानी होगी। इंडोलॉजिस्ट ललित मिश्रा की रिसर्च ने अयोध्या के पुराने झंडे को

उसकी सही जगह पर वापस ला दिया है।

मिश्रा ने मेवाड़ की पिक्चरल रामायण की पेंटिंग की स्टडी करते हुए झंडे की पहचान की और बाद में वाल्मीकि रामायण के अयोध्या कांड में इस बात की पुष्टि कर दी। झंडे में तीन निशान हैं: ओम, सूरज और कोविदारा पेड़। कोविदारा पेड़ मंदार और पारिजात पेड़ों का हाइब्रिड है, जिसे ऋषि कश्यप ने बनाया था, जो पुराने पौधों के हाइब्रिडाइज़ेशन को दिखाता है। सूरज भगवान राम के सूर्यवंश को दिखाता है, जबकि ओम हमेशा रहने वाली आध्यात्मिक आवाज को दिखाता है। रस्म से पहले, भक्तों और विज़िटर्स के स्वागत के लिए पूरे अयोध्या में बड़े पैमाने पर सफ़ाई अभियान शुरू किया गया है।

अयोध्या, जो कभी एक शांत तीर्थस्थल था, अब एक बड़ी आध्यात्मिक और आर्थिक ताकत बन गया है। और 25 नवंबर को, जब प्रधानमंत्री मोदी राम मंदिर के 191 फुट ऊंचे शिखर पर झंडा फहराएंगे, तब उम्मीद है कि यह शहर एक बिल्कुल नए अध्याय में प्रवेश करेगा—जो आस्था, पर्यटन, दुनिया भर का ध्यान और पहले कभी न हुए आर्थिक मौकों से चलेगा।

सारा कामधाम छोड़ कर नंगे पैर जाऊंगा, राम मंदिर ध्वजारोहण में : अवधेश प्रसाद : अयोध्या फिर भव्य और दिव्य स्वरूप में सजने को पूरी तरह तैयार है। 25 नवंबर को पीएम मोदी अयोध्या आकर राम मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराने वाले है। इस बीच राम मंदिर ध्वजारोहण को लेकर सियासत भी शुरू हो गई है। दो दिन पहले जहां सत्य सनातन धर्म प्रचारक दिवाकराचार्य महाराज ने अयोध्या के सपा सांसद अवधेश प्रसाद पर सार्वजनिक कार्यक्रमों में दिखाई नहीं देने का आरोप लगाया था वहीं अब सांसद ने कहा है कि उन्हें अभी तक राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह का न्यौता नहीं मिला है। यदि मुझे न्यौता मिलने पर सारा काम धाम छोड़कर मैं नंगे पैर वहां जाऊंगा।

उधर, इटावा से सपा सांसद जितेंद्र दोहरे ने तंज कसते हुए कहा कि राम मंदिर के ध्वजारोहण जैसे धार्मिक कार्यक्रम में पीएम के जाने का क्या मतलब है। यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम थोड़े है। वहीं भाजपा प्रवक्ता एसएन सिंह ने कहा कि सपा नेताओं को अयोध्या की भव्यता चुभती है। वे अनर्गल प्रलाप करते हैं।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत के शपथग्रहण में नहीं पहुंचे राहुल गांधी, उठे सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली : जस्टिस सूर्यकांत के शपथग्रहण समारोह से गायब रहने को लेकर बीजेपी ने राहुल गांधी पर सवाल उठाए। गौरतलब है कि जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। इस दौरान कई अहम हस्तियां मौजूद रहीं, लेकिन लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी नजर नहीं आए। इसको लेकर बीजेपी राहुल गांधी पर भड़क गई। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केशवन ने इसको लेकर एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा कि आज नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भारत के मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण में नहीं पहुंचे। यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने इस तरह के किसी कार्यक्रम से दूरी बनाई हो। केशवन ने पोस्ट में लिखा- चाहे उपराष्ट्रपति का शपथ ग्रहण हो या स्वतंत्रता दिवस समारोह हो, राहुल गांधी कहीं नहीं जाते। इससे सिर्फ एक ही बात साबित होती है कि राहुल गांधी को देश की संवैधानिक प्रक्रिया पर यकीन नहीं है। इतना ही नहीं, इससे उनकी बाबा आंबेडकर के संविधान के प्रति नापसंदगी भी जाहिर होती है। उन्होंने आगे लिखा कि कांग्रेस ने इमरजेंसी लगाकर संविधान की हत्या की। वह खुद लोकतांत्रिक परंपराओं में विश्वास नहीं करती है।

जस्टिस सूर्यकांत देश के 53वें सीजेआई बने, राष्ट्रपति मुर्मू ने दिलाई शपथ

एजेंसी, नई दिल्ली । जस्टिस सूर्यकांत ने भारत के 53वें चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) के तौर पर सोमवार सुबह शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें शपथ दिलाई। इसी के साथ ही जस्टिस सूर्यकांत ने जस्टिस बीआर गवई की जगह ली, जिनका कार्यकाल रविवार शाम समाप्त हो गया। शपथ ग्रहण करने के साथ ही जस्टिस सूर्यकांत देश के 53वें मुख्य न्यायाधीश बन गए। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू ने उन्हें शपथ दिलाई। बतौर सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत का कार्यकाल 9 फरवरी 2027 तक होगा। जस्टिस सूर्यकांत को जज के तौर पर कार्य करने का दो दशक से ज्यादा का अनुभव है। वे हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचे हैं, इस दौरान उन्होंने अनेक ऐतिहासिक और मील का पत्थर साबित होने वाले फैसले दिए हैं। ऐसे ही फैसलों में अनुच्छेद-370, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतंत्र, भ्रष्टाचार, पर्यावरण और लैंगिक समानता से जुड़े ऐतिहासिक फैसले शामिल हैं। यहां बताते चलें कि जस्टिस सूर्यकांत का जन्म हरियाणा के हिसार जिले के एक छोटे से पेटवार गांव में 10 फरवरी 1962 को एक शिक्षक परिवार में हुआ था।

अब और तेज बढ़ेगी ठंड, शीतलहर और कोहरे का भी रहेगा प्रकोप

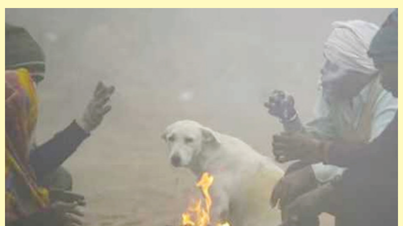

एजेंसी, नई दिल्ली । मौसम फिर बदलता दिख रहा है। भारत मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण अंडमान सागर के ऊपर कम दबाव क्षेत्र बना है। अब पश्चिम-उत्तर दिशा में बढ़ते हुए सोमवार को बंगाल की खाड़ी पर डिप्रेशन में बदलने की संभावना है। अगले 36 घंटों में यह और तेज होकर चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसके प्रभाव से अगले कुछ दिन दक्षिण भारत और अंडमान-निकोबार में भारी से तेज भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। 24 से 28 नवंबर तक अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भारी बारिश होगी। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और यनम में 24 नवंबर को भारी बारिश होगी। इस दौरान गरज-चमक के साथ बारिश और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। उत्तर भारत में ठंड बढ़ने लगी है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल और उत्तराखंड में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान 6 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। हरियाणा के हिसार में मैदानी इलाकों का सबसे कम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस रहा। अगले चार दिनों तक पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट आएगी।

पाकिस्तान के पैरामिलिट्री हेडक्वाटर में हुए आतंकी हमले में 6 सुरक्षाकर्मियों सहित 10 की मौत

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान में आतंकवादियों ने एक बड़े हमले को अंजाम दिया है, जिसमें 6 सुरक्षाकर्मियों समेत 10 लोगों की मौत हो गई। हमले में कई लोगों के घायल होने की खबर है। सोमवार सुबह पेशावर के सद्दार इलाके में स्थित फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (एफसी) हेडक्वार्टर पर हुए एक समन्वित आत्मघाती हमले ने पूरे देश की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। आतंकी हमले से संबंधित शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, आत्मघाती विस्फोट और गोलीबारी में कम से कम 6 सुरक्षाकर्मी सहित 10 लोग मारे गए हैं, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। इस हमले को अंजाम देने वाले तीन दहशतगर्दों को भी मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया है। हमले की पुष्टि करते हुए पेशावर के सीसीपीओ मियां सईद ने मीडिया को बताया कि हमला सुबह करीब 8 बजे दो बड़े धमाकों के साथ शुरू हुआ। एक सुसाइड बॉम्बर ने मेन गेट पर विस्फोट कर खुद को उड़ा लिया। इसके तुरंत बाद अन्य हमलावरों ने गोलीबारी शुरू कर दी। धमाका इतना शक्तिशाली था कि आसपास की इमारतों की खिड़कियां टूट गईं। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए मोर्चा संभाल लिया, जिस कारण आतंकी बिल्डिंग के अंदर घुसने में नाकाम रहे। वहीं खैबर पख्तूनख्वा के आईजी जुल्फिकार हमीद ने पुष्टि की है, कि यह एक हाई-इंटेंसिटी टेरर अटैक था जिसमें सुसाइड बॉम्बर शामिल थे। हमले के बाद शहर में तुरंत ही इमरजेंसी रिस्पॉन्स, रैपिड एक्शन टीमें और पुलिस कमांडो यूनिट्स तैनात कर दी गईं। पूरा सद्दार ज़ोन सुरक्षा घेराबंदी में ले लिया गया। हमले के दौरान घायल हुए सुरक्षाकर्मियों को लेडी रीडिंग हॉस्पिटल (एलआरएच) ले जाया गया है।

मुंबई में बनेगा 'पाताल लोक', लोकल ट्रेनें होंगी वातानुकूलित : सीएम फडणवीस

तरुणमित्र, मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को मुंबई में कहा कि 'हमने एक प्लान बनाया है। हम मुंबई में पाताल लोक बना रहे हैं। मुंबई में सबवे का नेटवर्क बनाया जाएगा। जिन सडक़ों पर ट्रैफिक जाम होता है, वहां पैरेलल सडक़ें और सबवे बनाए जाएंगे। इससे मुंबई ट्रैफिक जाम से फ्री हो जाएगी।' साथ ही मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि हम जल्द ही मुंबई की सभी लोकल ट्रेनों का वातानुकूलित करने वाले हैं, इसके लिए लोकल का किराया नहीं बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

सोमवार को मुंबई में स्थित वर्ली डोम में प्रदेश भाजपा की ओर से आयोजित युथ कनेक्टिवीटी कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में जो डेवलपमेंट हुआ है, वह तो अभी ट्रेलर है, पिक्चर तो अभी बाकी है। हम कोस्टल रोड बना रहे हैं। ठाणे-बोरीवली टनल है। हम बोरीवली से गोरेगांव तक रोड बना रहे हैं। हम सेवरी से गोरेगांव तक कोस्टल रोड ब्रिज बना रहे हैं। हम मुलुंड से गोरेगांव टनल लिंक बना रहे हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि ट्रैफिक जाम वहीं से शुरू होता है, जहां ईस्टर्न फ्रीवे खत्म होता है। हम वहीं से सबवे बना रहे हैं। उस पर भी काम चल रहा है। सबवे तीन साल में पूरा हो जाएगा। यह सबवे सीधे चौपाटी तक जाएगा। इससे ट्रैफिक जाम को हल करने में मदद मिलेगी। जब बांद्रा-वर्ली सी लिंक बांद्रा पहुंचेगा, तो हम वहां से बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स जाने के लिए एक और सबवे विकसित कर रहे हैं। बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में ट्रैफिक जाम को हल किया जाएगा। हम उसी सबवे को एयरपोर्ट तक भी बढ़ाएंगे। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा हम हर साल 50 किमी तक का मेट्रो नेटवर्क बनाएंगे। हम मुंबई वन ऐप लाए हैं। जिसमें सभी सिस्टम के टिकट आसान तरीके से मिलेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों के तालमेल का बेहतर उदाहरण : जनरल द्विवेदी

एजेंसी, नई दिल्ली । भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि सशस्त्र बलों की ताकत तालमेल में निहित है और ऑपरेशन सिंदूर इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। वे मुंबई में माहे श्रेणी के प्रथम पनडुब्बी रोधी उथले जल के युद्धपोत आईएनएस माहे के जलावतरण के मौके पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बहु-क्षेत्रीय परिचालन के युग में समुद्र की गहराई से लेकर ऊंचाई वाले सीमावर्ती क्षेत्रों तक एक साथ मिलकर कार्य करने की देश की क्षमता भारतीय गणराज्य के सुरक्षा प्रभाव को निर्धारित करेगी। इस मौके पर जनरल द्विवेदी ने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर सशस्त्र बलों के तालमेल का बेहतर उदाहरण था।''

पहलगाम में धर्म पूछकर मारा गया, घटना आज भी करती है विचलित : राजनाथ सिंह

एजेंसी, चंडीगढ़

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कुरुक्षेत्र दौरे के दौरान कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता सेमिनार में कहा कि पहलगाम की घटना आज भी विचलित करती है, जब पहलगाम में पर्यटन के लिए गए हमारे निर्दोष यात्रियों को धर्म पूछ कर मारा गया। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने केवल भारत की शांतिप्रियता को ही चुनौती नहीं दी थी, बल्कि वो ये मान बैठे थे कि भारत की शालीनता उसकी कमजोरी है। इसके बाद हमने ऑपरेशन सिंदूर से इसका माकूल जवाब दिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकी भूल गए भारत गीता का देश है,

जहां करूणा भी है और युद्ध में धर्म की रक्षा की प्रेरणा भी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि शांति के ताप को जीवित रखना है तो उसके भीतर शक्ति का ताप अनिवार्य है। निर्दोषों की रक्षा करनी है तो बलिदान देने का साहस भी उतना ही आवश्यक है। रक्षा मंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने भी पांडवों को यही समझाया था कि युद्ध बदले की भावना या महत्वाकांक्षा नहीं बल्कि धर्म की स्थापना के लिए लड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने भगवान श्रीकृष्ण के संदेश का ही पालन किया। भारत ने जबाव दिया कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध लड़ेगा और किसी भी सूरत में भारत कमजोर नहीं पड़ेगा। श्री कृष्ण अर्जुन को कुरुक्षेत्र में समझाया था धर्म की रक्षा केवल प्रवचन से नहीं होती उसकी रक्षा कर्म से होती है और ऑपरेशन सिंदूर वही धर्म युक्त कर्म था जिसको कि हम लोगों ने अपना और साथियों आज हम सब याद रखना चाहिए।

नासिक अत्याचार मामले के आरोपितों को सजा मिलने तक चुप नहीं बैठेंगे: एकनाथ शिंदे

- नासिक जिले के डोंगराले में प्रदर्शनकारियों ने रोका उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का काफिला

तरुणमित्र, मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को आश्वासन दिया कि जब तक डोंगराले अत्याचार के अपराधियों को मौत की सजा नहीं मिल जाती, वह चैन से नहीं बैठेंगे। चुनाव प्रचार के लिए नासिक जिले के डोंगराले जा रहे एकनाथ शिंदे के काफिले को प्रदर्शनकारियों ने रोका था। इसके बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कार्रवाई का आश्वासन दिया और प्रदर्शनकारियों पर किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई न करने का आदेश भी स्थानीय पुलिस को दिया। उपमुख्यमंत्री सोमवार को नासिक जिले के डोंगराले में स्थानीय निकाय चुनाव का प्रचार करने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के पिंपलनेर तहसील अध्यक्ष पवन संदनशिव के नेतृत्व में कुछ प्रदर्शनकारियों ने एकनाथ शिंदे के काफिले को रोका और डोंगराले अत्याचार मामले में न्याय दिलाने की मांग लिखा बैनर दिखाना शुरु कर दिया।

इसके बाद पुलिस ने इन प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेना चाहा, लेकिन एकनाथ शिंदे खुद उनके पास गए और कहा कि इस घटना में जब तक आरोपितों को फांसी की सजा नहीं मिल जाती, तब तक वह चुप नहीं बैठेंगे। इसके बाद एकनाथ शिंदे ने सभी प्रदर्शनकारी युवकों को तत्काल छोड़ देने का भी निर्देश दिया। इसके बाद एकनाथ शिंदे डोंगराले में प्रचार सभा के लिए रवाना हुए। उल्लेखनीय है कि नासिक जिले के मालेगांव तहसील के डोंगराले गांव में 16 नवंबर को इसी गांव के 24 साल के विजय संजय खैरनार ने तीन साल की बच्ची के साथ दरिंदगी की और फिर पत्थर से उसका सिर कुचलकर बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस घटना में मालेगांव तहसील पुलिस स्टेशन की टीम ने विजय खैरनार को गिरफ्तार कर लिया है और वह पुलिस कस्टडी में है। डोंगराले में एक नाबालिग लड़की पर हुए अमानवीय अत्याचार को गंभीरता से लेते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने परिवार को मनोधैर्य योजना के तहत 10 लाख रुपये की मदद देने की घोषणा की है। इस घटना को लेकर डोंगराले गांव ही मालेगांव तहसील में लोगों में रोष व्याप्त है।

बॉलीवुड के ही-मैन धर्मेंद्र ने दुनिया को कहा अलविदा, फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर

- मुंबई के विले पार्ले शमशान घाट पर अंतिम संस्कार, कई हस्तियां पहुंची

तरुणमित्र, मुंबई

हिंदी सिनेमा के ही-मैन धर्मेंद्र ने सोमवार को 89 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही बॉलीवुड इंडस्ट्री में शोक की लहर फैल गई और बॉलीवुड की मशहूर हस्तियां उन्हें श्रद्धांजिल देने पहुंची। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को धर्मेंद्र के घर एक एंबुलेंस पहुंची थी, जिसके बाद से उनके फैंस को टेंशन हो गई थी, क्योंकि कुछ दिन पहले धर्मेंद्र की मौत की अफवाह फैली थी, लेकिन अब

धर्मेंद्र ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। धर्मेंद्र का निधन उनके 90वें बर्थडे से पहले हुआ। वह आगामी 8 दिसंबर 2025 को अपना 90वां जन्मदिन मनाने वाले थे। धर्मेंद्र को अंतिम विदाई विले पार्ले शमशान घाट पर दी गई जिन्हें श्रद्धांजलि देने अमिताभ बच्चन अपने नाती अगस्तय नंदा के साथ पहुंचे। इसके अलावा आमिर खान और ईशा देओल को भी वहां देखा गया। रिपोर्ट के मुताबिक धर्मेंद्र की 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने अपने घर में आखिरी सांस ली। इसके बाद से सोशल मीडिया पर फैंस इमोशनल नजर आ रहे हैं। बता दें हाल ही में धर्मेंद्र की तबीयत खराब होने के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां वह 11 दिनों तक आईसीयू वार्ड में वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे और इस बीच धर्मेंद्र के निधन की अफवाह भी फैली गई थी, जिस पर दिग्गज अभिनेता का पूरा परिवार गुस्सा हो गया था। वहीं अस्पताल से धर्मेंद्र की वीडियो भी रिलीज हुई थी, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। इस वीडियो में धर्मेंद्र अस्पताल के बेड पर थे और उनके चारों ओर उनकी फैमिली पत्नी प्रकाश कौर, सनी देओल, बॉबी देओल और दोनों बेटियां भी मौजूद थी। बता दें सोमवार 24 नवंबर को धर्मेंद्र का फिल्म इक्कीस से फर्स्ट लुक पोस्टर सामने आया था।

संक्षिप्त समाचार

भगवानपुरा बीएलओ राकेश कुमार जारोंटिया ने एसआईआर का 100% कार्य संपादित किया सुपरवाइजर की मेहनत रंग लाई

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली/ ब्यूरो चीफ किशन पालीवाल

राजसमंद, राजस्थान। आमेट तहसील अन्तर्गत ग्राम पंचायत आगरिया के भगवानपुरा गांव का एसआईआर विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य बीएलओ राकेश कुमार जारोंटिया द्वारा किया जा रहा था जिसे सुपरवाइजर किशन लाल गुर्जर के नेतृत्व में बार बार निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश व जानकारी प्रदान करते रहने से उन्हें प्रोत्साहन मिला जिसके कारण कम समय में ही राकेश कुमार बीएलओ द्वारा सुबह शाम ,दिन रात एक कर भाग संख्या 56 के कुल मतदाता 593 का डिजिटाइज 100% करने में कामयाबी हासिल की गई । ग्रामीण बाबूलाल कुमावत, गुलाबचंद भील, सीताराम दास रंगास्वामी सहित ग्रामीणों का अच्छा सहयोग मिलने की वजह से अतिशीघ्र ऑनलाइन कार्य किया गया। सुपरवाइजर किशन लाल गुर्जर ने अपनी टीम के बीएलओ में से राकेश कुमार जारोंटिया को सर्वश्रेष्ठ बीएलओ घोषित कर बधाई प्रेषित की गई।

जिन्हें हम भूलना चाहे वो अक्सर याद आते हैं....

- पूरा जीवन समाज और मानवता की सेवा में समर्पित होकर अधिकार दिलाने के लिए संघर्षशील रहे
- पूजनीय स्वर्गीय श्री हीरा सिंह जी चौहान साहब की 15वीं पुण्यतिथि पर समस्त मंगरा, मारवाड़, मेवाड़ एवं समस्त जातीय महानुभवों से विनम्र निवेदन है कि मूर्ति स्थल ,उनके पैतृक गांव कानूजा में दोपहर 11:00 बजे श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया है

स्थानीय संपादक कर्मपालसिंह सवाली

जयपुर अजमेर। "पुण्यतिथि दिनांक 25/11/2025 मंगलवार" भारतीय रावत महासभा जनकपुरी नई दिल्ली के संस्थापक पूजनीय स्वर्गीय श्री हीरा सिंह जी चौहान साहब की 15वीं पुण्यतिथि पर समस्त मंगरा, मारवाड़, मेवाड़ एवं समस्त जातीय महानुभवों से विनम्र निवेदन है कि मूर्ति स्थल ,उनके पैतृक गांव कानूजा में दोपहर 11:00 बजे श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया है। पूरा जीवन समाज और मानवता की सेवा में संघर्षील होकर अधिकार दिलाने में सबसे आगे रहे, उनकी राष्ट्रभक्ति को आज भी समाज और देश सदा याद रखना रहेगा, कृपया समय पर पधार कर पुनीत आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित करावे। यह जानकारी दैनिक तरुणमित्र को भारतीय रावत महासभा जनकपुरी नई दिल्ली के प्रचार मंत्री श्यामसिहं (रेलडा)। ने विस्तार से जानकारी दी गई।

लाचित बरफुकन व गुरु तेगबहादुर के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र के लिए कार्य करे- माली

कर्मपालसिंह सवाली/ अमरपुरी गोस्वामी

नाडोल 24नवंबर।महान सेनापति लाचित बरफुकन व गुरु तेगबहादुर के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र के लिए कार्य करें। उक्त उद्गार अतिरिक्त मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी देसूरी विजयसिह माली ने स्थानीय ग्रीन विनस पब्लिक स्कूल में प्रार्थना सभा में व्यक्त किए। माली ने कहा कि महान सेनापति लाचित बरफुकन ने पूर्वोत्तर में मुगलों के प्रतिरोध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए सराईघाट के युद्ध में विजय प्राप्त की। राष्ट्र उनके लिए सर्वोपरि था।इसी प्रकार गुरु तेगबहादुर ने राष्ट्र व मानवाधिकारों के लिए अपना बलिदान तक दे दिया। उन्होंने कहा कि हमें इन दोनों महापुरुषों की जीवनी पढ़नी चाहिए। इससे पहले प्रधानाध्यापक विनोद कुमार टेलर ने लाचित बरफुकन व गुरु तेगबहादुर की जीवनी पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर देवेंद्र कुमार टेलर,नरेश कुमार टेलर,खुशाल टेलर, इरफान खान,रमेश कुमार, धर्मेंद्र सिंह,सुरेश कुमार ,इंद्रमल, धन्नाराम,रत्नाशर्मा, ममता कुमारी,प्राची सोनी व प्रिया सोनी समेत समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। उल्लेखनीय है कि आज पूर्वोत्तर के शिवाजी के रूप में विख्यात लाचित बरफुकन का जन्मदिन व सिक्खों के नवम गुरु तेगबहादुर का बलिदान दिवस है।

आदर्श नगर जयपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बगराना में आयोजित

- "आभार दिवस एवं स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न"
- जयपुर में अखिल भारतीय श्रम गौरव महासभा जयपुर के मुख्य आयोजक
- श्री सुरेश जाँगिड़ बैराठी- पूर्व सहायक ब्लॉक विकास अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित

रिपोर्टर मामराज मीणा

जयपुर, राजस्थान । आदर्श नगर जयपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बगराना में आयोजित"आभार दिवस एवं स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न" जयपुर में अखिल भारतीय श्रम गौरव महासभा जयपुर के मुख्य आयोजक श्री सुरेश जाँगिड़ बैराठी- पूर्व सहायक ब्लॉक विकास अधिकारी के मार्गदर्शन में मॉडर्न सोनी पब्लिक स्कूल,बगराना आगरा रोड़, जयपुर के प्रांगण में श्रम करने वाले सभी समाज के लोगो के उत्साहवर्धन, सम्मान व समाज में अग्रणीय पंक्ति में ससम्मान स्थान हो तथा श्रम समाज के अधिकारों को सुरक्षित रखने, सरकारी सभी योजनाओं का लाभ मिल सके, इस ओर प्रयास करते हुए इस समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथियों में माननीय श्री गोपाल लाल मीणा- पूर्व महानिदेशक उत्तर प्रदेश पुलिस, जयपुर शहर में सुप्रसिद्ध कार्डियोलोजिस्ट सुश्री सौम्यता सोमेंद्र शर्मा, सोनी पब्लिक स्कूल के निदेशक श्री महेश मीना द्वारा अपनी सेवाऐं दी गई। समारोह में सामाजिक सेवाओं में कार्यरत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री नवल श्रीमाल, भाजपा नेता श्री बंशीधर सैनी, श्री हीरा लाल सैनी, श्री जे पी शर्मा, श्री जयसिंह धानका बहुजन समाजवादी पार्टी, श्री मामराज मीना पत्रकार भाजपा नेता श्री मोहन लाल सैनी- श्री चंदा लाल सैनी, श्री दिनेश कुमार मौर्य, श्री कजोड़ सैनी, श्री सीताराम जाँगिड़, श्री महेश जाँगिड़, श्री बिशनलाल जांगिड़ बगराना, श्री मुरारी लाल जाँगिड़, श्री सत्यनारायण सोनी, श्री सुभाष शर्मा, श्री श्रीकांत तिवारी, श्री राजेन्द्र रावत आदि गणमान्य लोगों की उपस्तिथि के साथ साथ कई महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं की भी उपस्थिति रही। समारोह के आयोजक श्री बैराठी ने बताया कि आने वाले कुछ ही दिनों में विधिवत रूप से इस संगठन में करोड़ो सदस्य बनाकर महासभा को मजबूत किया जाएगा ताकि श्रम कामगारों को समाज की अग्रणीय भूमिका में लाया जा सके। समारोह में मुख्य अतिथि, पूर्व DGP महोदय श्री रामगोपाल जी मीणा द्वारा अपने विचार रखते हुए बताया कि श्रम करने वाले सभी को उनके मानसम्मान के लिए ऐसे संगठन का होना बहुत ही अच्छी शुरुआत है। Dr. सुश्री सौम्यता सोमेंद्र शर्मा बताया कि की सभी श्रम करने वाले श्रमिको के स्वास्थ्य का हमेशा ध्यान रखा जाना चाहिए, क्योंकि देश व समाज के निर्माण में श्रम का बहुत बड़ा योगदान है। अखिल भारतीय मानवाधिकार, स्वतंत्रा एवं सामाजिक न्याय परिषद के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव (जन शिकायत), श्री राम चन्द्र जाँगिड़ ने अपने विचार रखते हुए बताया कि सभी श्रम करने वाले सर्व समाज के साथियों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखने में यह संगठन हमेशा काम करने की पहल में अपनी अग्रणीय भूमिका अदा करेगा।

गहलोत ने गर्मजोशी से किया स्वागत, जिलाध्यक्ष शिशुपाल सिंह को दिया आशीर्वाद

कर्मपालसिंह सवाली

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पाली जिले के नवनियुक्त कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह राजपुरोहित का सोमवार को पारंपरिक मारवाड़ी रीति-रिवाज़ से स्वागत करते हुए उन्हें माला पहनाकर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी। गहलोत ने कहा कि शिशुपालसिंह ने हमेशा संगठन को पहली प्राथमिकता देते हुए पूर्ण निष्ठा से कार्य किया है। प्रदेशभर में युवाओं को जोड़ने, कार्यकर्ताओं के साथ मजबूत संवाद बनाने और संघर्ष के समय अग्रिम पंक्ति में खड़े रहने की उनकी कार्यशैली कांग्रेस संगठन के लिए प्रेरणादायक रही है। उन्होंने कहा कि समर्पित कार्यकर्ता होने के कारण ही पार्टी हाईकमान ने उन्हें पूरे पाली जिले की बागडोर सौंपी है। गहलोत ने भरोसा जताया कि शिशुपालसिंह जिले के युवाओं की बुलंद आवाज बनकर संगठन को नई ऊर्जा और नई दिशा देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस परिवार एकजुट होकर ही आने वाले समय में मजबूत संगठन खड़ा कर सकता है, और यह जिम्मेदारी अब जिले में शिशुपालसिंह के कंधों पर है। आशीर्वाद प्राप्त करते हुए शिशुपालसिंह राजपुरोहित ने कहा कि वे संगठन के आदेश को सर्वोच्च मानकर जिले के हर कार्यकर्ता और हर गांव तक पहुंचकर मजबूत नेटवर्क तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के सुख-दुख में साथ रहना और संगठन को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना उनका पहला लक्ष्य होगा। इस अवसर पर पाली लोकसभा की कांग्रेस प्रत्याशी श्रीमती संगीता बेनीवाल भी मौजूद रही।

ऐसीबीईओ देसूरी ने महात्मा गांधी व बालिका विद्यालय नाडोल में चल रही अर्द्धवार्षिक परीक्षा का निरीक्षण कर दिए दिशा निर्देश

रिपोर्टर रवीना प्रजापत घाणेराव

देसूरी, नाडोल 24नवंबर। अतिरिक्त मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी देसूरी विजयसिह माली ने महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय नाडोल,राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय व ग्रीन विनस पब्लिक स्कूल,श्री आदर्श विद्या मंदिर व विश्व भारती उच्च माध्यमिक विद्यालय नाडोल, का निरीक्षण कर वहां चल रही अर्द्धवार्षिक परीक्षा का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संस्था प्रधान भगवती मेघवाल ने बताया कि अतिरिक्त मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी देसूरी विजयसिह माली ने परीक्षा कक्षों का औचक निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा परीक्षा प्रभारी समदरसिंह राठौड़ से परीक्षा व्यवस्था का फीडबैक लेकर परीक्षा अभिलेखों की जांच की।माली ने परीक्षा को शांतिपूर्ण व सुचारू ढंग से संचालित होना पाया गया। माली ने परीक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर नरपतदास लश्करी, हेमंत कुमावत, जगदीश चौधरी,गणपत बोस, सोहनलाल, राजेंद्र वैष्णव समेत समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। तत्पश्चात माली ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय नाडोल, ग्रीन वीनस पब्लिक स्कूल,श्री आदर्श विद्या मंदिर, विश्व भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल का भी औचक निरीक्षण कर अर्द्धवार्षिक परीक्षा का जायजा लिया।इस अवसर पर संस्था प्रधान मधु पांडेय, विनोद कुमार टेलर ,भोपालसिंह राजपुरोहित, कार्तिकेय सिंह सहित सभी विद्यालयों के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि 20नवंबर से शुरू हुई अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2दिसंबर तक चलेगी।

देसूरी एसीबीईओ माली ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नं 2 व रेबारियों की ढाणी नाडोल, का औचक निरीक्षण कर दिए दिशा निर्देश

ब्यूरो चीफ अमरपुरी गोस्वामी

नाडोल 24नवंबर। अतिरिक्त मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी देसूरी विजयसिंह माली ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नं 2 व राजकीय प्राथमिक विद्यालय रेबारियों की ढाणी नाडोल का औचक निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नं 2 नाडोल के संस्था प्रधान महिपाल सिंह ने बताया कि एसीबीईओ माली ने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। समस्त स्टाफ उपस्थित पाया गया। माली ने प्रखर राजस्थान 2.0की कक्षाओं, आईसीटी लेब,एम डी एम, पुस्तकालय व कार्यपुस्तिकाओं का अवलोकन किया तथा अभिलेखों की जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।माली ने विद्यालय स्टाफ व विद्यार्थियों से संवाद कर फीडबैक लिया ।संस्था प्रधान महिपाल सिंह ने विश्वास दिलाया कि उनके द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों की पालना की जाएगी। इस अवसर पर सुमनलता शर्मा,कमोद देवल,नीमा सांदू व रेखा कुमारी समेत समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।तत्पश्चात माली ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय रेबारियों की ढाणी का औचक निरीक्षण कर शिक्षक उपस्थिति व विद्यालय के शैक्षिक सहशैक्षणिक स्तर को जांचा तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इस अवसर पर संस्था प्रधान भाना राम उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री कुमावत ने किया निर्माणाधीन सडक का निरीक्षण, उच्चाधिकारियों को किये गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के दिये निर्देश

कर्मपालसिंह सवाली

सुमेरपुर /जयपुर। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत ने पोमावा पुलिया से स्वामी विवेकानन्द विद्यालय तक बनने वाले निर्माणाधीन सडक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य गुणवत्तापूर्ण नही पाये जाने पर मंत्री कुमावत ने उच्चाधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की और कार्य गुणवत्तापूर्वक करवाने के निर्देश दिये। गौरतलब है कि स्वामी विवेकानन्द मॉडर्न स्कूल पर जाने वाले छात्रों, छात्राओं, किसानों और अन्य राहगीरों के अपने गन्तव्य स्थान पर जाने के लिये इस रास्ते का उपयोग करते थे। पिछले कुछ वर्षो पूर्व बिपरजॉय तूफान आने से उक्त सडक क्षतिग्रस्त हुई थी जिससे आमजनों के लिये काफी दुविधाग्रस्त हो गया था। उक्त 1.5 किमी (लागत 2.75 करोड रूपये)सडक की स्वीकृति 2024 में बिपरजॉय तूफान से क्षतिग्रस्त सडकों के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार योजना में हुई थी, जिसके टेण्डर और वर्क आर्डर जारी होने के उपरान्त उक्त सडक का निर्माण कार्य शुरू किया गया था। मौके पर निर्माणाधीन सडक का निरीक्षण करने पर सडक का बेस 04 इंच की जगह 02 इंच ही पाया गया, तथा मेटेरियल में सीमेन्ट की मात्रा कम पाई गई। साथ ही किसी विभागीय अधिकारी के मौके पर नही मिलने की षिकायत पाई गई। जिस पर मंत्री कुमावत ने तुरन्त संज्ञान लेते हुये सार्वजनिक निर्माण विभाग बाली के अधिषाषी अभियन्ता सवाईसिंह राठौड को इस सम्बन्ध में अवगत करवाते हुये गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने हेतु निर्देषित किया।

यादगिरी फिल्में हमेशा इतिहास में अमर हुई, धर्मेंद्र देओल को देसूरी में श्रद्धांजलि

कर्मपालसिंह सवाली

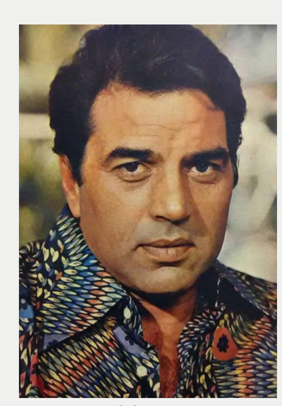

देसूरी/पाली। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र देओल के निधन से पूरे देश में शोक की लहर है। देसूरी क्षेत्र में भी पत्रकार, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और युवाओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के प्रभारी एवं ज्योति कर्मवीर फाउंडेशन संस्थापक कर्मपालसिंह सवाली ने कहा कि धर्मेंद्र जी एक साधारण परिवार से निकलकर संघर्ष, समर्पण और मेहनत के बल पर सुपरस्टार बने। फ़िल्म 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से शुरुआत कर शोले, मेरा गाँव मेरा देश, समाधि, गजब, तीसरी आँख, आया सावन झूम के जैसी एक से बढ़कर एक फ़िल्मों के जरिए उन्होंने भारतीय सिनेमा में स्वर्णिम इतिहास रचा।

उन्होंने कहा धर्मेंद्र सिर्फ़ अभिनेता नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा की एक भावनात्मक धरोहर थे—जिनकी सरलता, संवेदनशीलता और देशीपन ने करोड़ों दिलों में जगह बनाई।

भरतकुमार सोलंकी ने धर्मेंद्र के साथ जुड़ा एक यादगार किस्सा साझा किया वित्त विशेषज्ञ भरतकुमार सोलंकी ने अभिनेता धर्मेंद्र से जुड़ी अपनी यादों को ताज़ा करते हुए कहा—"करीब बीस वर्ष पहले मुंबई के एक फिल्म स्टूडियो के बाहर भीड़ लगी थी। तभी अचानक सामने से धर्मेंद्र जी निकले। भीड़ में धक्का लगा और मैं आगे की ओर गिरने ही वाला था कि उन्होंने हाथ पकड़कर संभाल लिया। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा— 'संभल कर भाइजी... हीरो तो स्क्रीन पर हम हैं, जमीन पर आप ही लोग असली हीरो हो।' उनकी ये बात मेरे दिल में आज तक दर्ज है। ऐसी विनम्रता बहुत कम लोगों में होती है।"

इस अवसर पर अशोकपुरी गोस्वामी, देसूरी पंचायत समिति प्रधान प्रतिनिधि अमरसिंह राजपुरोहित, समाजसेवी चेनाराम चौधरी, वित्त विशेषज्ञ भरतकुमार सोलंकी, देसूरी सरपंच केसाराम भील, पाली सरपंच संघ जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर मेवाड़ा, पूर्व उपाध्यक्ष जगदीश प्रजापति, वार्ड पंच वालाराम रेगर, दिलीप सोलंकी, सोहनलाल प्रजापति, दिनेश अमराराम सोलंकी, अशोक बिश्नोई, सुनीलकुमार यादव सहित अनेक समाजसेवियों और युवाओं ने धर्मेंद्र जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। धर्मेंद्र जी का जाना देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मगर उनकी फिल्मों, उनकी विनम्रता और उनका भारतीयपन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा।

100 से अधिक नाड़ी, खड़ीन का कार्य देख आगे ओर काम करने की जगी इच्छा, जल संरक्षण में रुचि दरशाई प्रवासी परिवार ने

ब्यूरो चीफ अखेराज। बाप,फलोदी।

जिनके पांव फटी न बिवाई वो क्या जाने पीड़ पराई कहावत को चरितार्थ करते राजस्थान मूल निवासी हाल विदेश की धरती पर अपना निजी व्यवसाय चलाने वाले नरेंद्र जी,बहिन ध्वनि बॉम्बे इन दिनों थार मरुस्थल के सुदूर ढाणियों में बसे निर्धन परिवारों के साथ चर्चा करते नजर आ रहे हैं ।ग्रामीण विकास विज्ञान समिति के सचिव डॉ प्रकाश त्यागी ने बताया कि नरेंद्र करनानी इग्लैंड में रहते हैं आप मूल राजस्थान के सरदारशहर के रहने वाले हैं।आपने राजस्थान में पानी की बहुत कमी देखी,पानी की समस्या एक परिवार की नहीं संपूर्ण क्षेत्र की समस्या थी। कोसो दूर से माताएं सिर पर घड़ा रखकर पानी लाती।आपके मन में ख्याल आया कि हम पानी पैदा नहीं कर सकते मगर वर्षा जल को संग्रह कर पानी की कमी पूर्ति कर सकते हैं।करनानी परिवार व ध्वनि पांडेय ने ग्रामीण विकास विज्ञान समिति के माध्यम से करीब 130 स्थानों पर नाडी खुदाई,खड़ीन निर्माण के लिए आर्थिक सहायता देने का काम प्रारंभ किया।आपने ग्रामीणों के साथ बैठकर फलोदी, जैसलमेर, जोधपुर, आदि के विभिन्न गांवों में हथाई के माध्यम से उनके द्वारा पोषित राशि के बारे में धरातल पर काम देखा।नरेंद्र करनानी, ध्वनि पांडेय ने बताया कि जब वो छोटे थे उन्होंने मां के साथ पानी की तकलीफ को साझा किया।बस उस पल की याद में हमने थार में पानी की कमी नहीं रहे कोई माता अब वो दिन नहीं देखे इसी उद्देश्य से हमने चार जिलों में जल संरक्षण का छोटा सा प्रयास प्रारंभ किया।पिछले 3 सालों में सैकड़ों खड़ीन,का निर्माण करवाया वही अनेक नाड़ियों की जल भराव क्षमता को बढ़ाकर जल संरक्षण का कार्य प्रारंभ हुआ जो आशानुरूप परिणाम दे रहा है। नाडी में पानी 8, से 10 माह पानी रहने से पशु, पक्षी, एवं आम जन को इसका लाभ मिल रहा यह शकुन की बात है।ध्वनि पांडेय ने बताया कि जीवन में पैसा कमाकर संचय करना मूर्खता है।कबीर साहब ने कहा कि महल,पैसा,धन दौलत यही रह जाएंगे केवल सेवा,पुण्य किया वह साथ चलेगा। ध्वनि मां के साथ पानी की तकलीफ सुनाते भावुक हो जाती फिर बताती की किसी भी मां को ऐसी कठिनाई नहीं हो इसके लिए प्रयास जारी रहेंगे।हम क्षेत्र में ओर परियोजना चलाकर जल संरक्षण की मुहिम जारी रखना चाहते है,केवल आमजन हमे थोड़ा सहयोग करे।वे स्वयं कुछ श्रमदान, कर सहयोग करे।जीवन में श्रम का बहुत बड़ा योगदान है।जल संरक्षण हम सभी का दायित्व है।

वर्षा जल व्यर्थ नहीं बहे इसके लिए की सामूहिक प्रयास जरूरी हे। समन्वयक राजेंद्र कुमार ने बताया कि करनानी ट्रस्ट ने ओर आर्थिक सहयोग देकर कार्य करने की इच्छा जाहिर की है।सचिव डॉ प्रकाश ने आभार प्रकट किया।यह थे साथ, राजेंद्र कुमार,संजू शिशोदिया, भूराराम देवासी,श्री कांत भारद्वाज,भूराराम पंवार,मदन पुनड, पानी देवी, पदमा, कमला भील,शिमला आदि।

100 बेड की मल्टी-स्पेशलिटी सुविधा मिलेगी : परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

डॉ. आनंदीबाई जोशी मैटरनिटी हॉस्पिटल को अत्याधुनिक सुविधाओं वाले हॉस्पिटल में परिवर्तित किया जाएगा

तरुण मित्र ब्यूरो

ठाणे। राज्य के परिवहन मंत्री एवं स्थानीय विधायक प्रताप सरनाईक के फंड से डॉ. आनंदीबाई जोशी मैटरनिटी हॉस्पिटल को स्टेट-ऑफ-द-आर्ट हॉस्पिटल में बदलने के बड़े प्रोजेक्ट का आज शिलान्यास हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन ब्राह्मण विद्यालय, वर्तकनगर के सामने किया गया था। इस नए हॉस्पिटल में 100 बेड की मॉडर्न सुविधाएं होंगी। इससे इलाके के लोगों के लिए एक बड़ी राहत मिलेगी। इस हॉस्पिटल को स्टेट-ऑफ-द-आर्ट मेडिकल टेक्नोलॉजी, एडवांस्ड ट्रीटमेंट सिस्टम और मरीज़ों की देखभाल के लिए ज़रूरी सुविधाओं के साथ डिज़ाइन किया जाएगा। यह जानकारी परिवहन मंत्री सरनाईक ने दी। इस समारोह में पूर्व महापौर हरिश्चंद्र पाटिल, मनपा उपयुक्त उमेश बिरारी, मेडिकल सुपरिटेंडेंट प्रसाद पाटिल, राजेंद्र फाटक, राधिका फाटक, विमल भुईर, कल्पना पाटिल, भगवान देवकाटे, शिवसेना के पदाधिकारी, कार्यकर्ता सहित स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में मौजूद थे। मौजूद लोगों ने भरोसा जताया कि इस प्रोजेक्ट से वर्तकनगर और आस-पास के इलाकों में हेल्थकेयर सेवाएं और बेहतर होंगी।

मौके पर मौजूद लोग इस बात पर खुशी जताते दिखे कि मंत्री सरनाइक ने अपने फंड से हॉस्पिटल बनाने के लिए जो पहल की है, वह हेल्थ सेक्टर में एक अहम कदम है। ठाणे मनपा ने वर्तकनगर में आनंदीबाई जोशी हॉस्पिटल और मैटरनिटी वार्ड को स्टेट-ऑफ-द-आर्ट कैशलेस हॉस्पिटल में बदलने और अलग-अलग फ्लोर पर प्लान के हिसाब से ज़रूरी हेल्थकेयर सुविधाएं बनाने के लिए 22 करोड़ खर्च करने का फैसला किया है। ग्राउंड फ्लोर पर सिटी स्कैन और पोर्टेबल एक्स-रे सेवाएं दी जाएंगी, जबकि फर्स्ट फ्लोर पर सोनोग्राफी, पैथ लैब और सैंपल कलेक्शन की सुविधाएं दी जाएंगी। दूसरी मंज़िल पर जनरल वार्ड और एडमिनिस्ट्रेशन रूम होगा, तीसरी मंज़िल पर मैटरनिटी वार्ड, NICU, डॉक्टर्स का वर्क रूम होगा, चौथी मंज़िल पर ICU, प्री-पोस्ट ऑपरेशन थिएटर और डॉक्टर्स लाउंज होगा, और पाँचवीं मंज़िल पर नर्सों के रहने की जगह होगी। यह मल्टी-स्टोरी मॉडर्न हॉस्पिटल कुल 25,242 स्क्वायर फुट कंस्ट्रक्शन एरिया में बनाया जाएगा।

सिद्धिविनायक उद्यान का रेनोवेशन पूरा हुआ

लोकमान्य नगर इलाके में सिद्धिविनायक उद्यान के नवीनीकरण का काम पूरा हो गया है, इसका उद्घाटन मंत्री प्रताप सरनाईक के हाथों किया गया। इस अवसर पर रामचंद्र गुरव, संतोष धमाले, माननीय कॉर्पोरेटर श्रीमती आशा संदीप डोंगरे, डिविजनल कोऑर्डिनेटर टीना डिसूज़ा, वैभवी दलवी और दूसरे गणमान्य लोग मौजूद रहे। मंत्री सरनाइक ने कहा कि पार्क के नवीनीकरण से यहां के लोगों के लिए एक नया मनोरंजन का एरिया बनेगा जो हेल्दी, साफ और आकर्षक होगा, और बच्चों के खेलने के सामान, वॉकवे, पेड़ लगाने और ग्रीन एरिया की वजह से पार्क की क्वालिटी में काफी सुधार हुआ है।

पूरे देश में लागू किए गए नए 4 श्रमिक संहिता व्यापार व उद्योग जगत के लिए बड़ा परिवर्तन

नए बदलावों की विस्तृत जानकारी देने के बाद कानून लागू किया जाना चाहिए : शंकर ठक्कर

तरुण मित्र ब्यूरो

मुंबई। अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कॉन्फडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय मंत्री शंकर ठक्कर ने बताया भारत सरकार द्वारा श्रम सुधारों को आधुनिक, सरल और एकीकृत बनाने के लिए लाए गए चार नये श्रमिक संहिता 21 नवंबर से पूरे देश में लागू हो गये हैं। इन नए कानूनों ने देश में चल रहे 29 पुराने श्रम कानूनों को समाप्त कर दिया है और अब सभी उद्योगों, फैक्ट्रियों, एमएसएमई, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और टेक्सटाइल- गारमेंट सेक्टर को इन्हीं नए संहिता के तहत संचालित किया जाएगा। सरकार द्वारा अधिसूचित ये चार लेबर कोड (1) वेज कोड, (2) इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, (3) सोशल सिक्योरिटी कोड और (4) ऑक्युपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड - संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों के श्रमिकों व नियोक्ताओं के लिए एक बड़ी संरचनात्मक बदलाव की दिशा में कदम हैं। एमएसएमई,जो

देश के सबसे बड़े रोजगार देने वाले क्षेत्रों में से एक है, पर इन कोड्स का सीधा प्रभाव पड़ेगा। थोक ओर खुदरा व्यापार,उद्योग जगत, मिल मालिकों, ऑयल पैकर्स, छोटे उत्पादक, यूनिट्स,और संबंधित सभी समुदाय के लिए यह संहिता समझना बेहद आवश्यक है ताकि वे भविष्य के अनुपालन और श्रम संबंधों का प्रबंधन सुचारू रूप से कर सकें। नए वेज कोड के लागू होने के बाद देशभर में एक समान वेतन की परिभाषा, बेसिक वेतन की नई गणना, ओवरटाइम नियम और कर्मचारी लाभों पर प्रभाव दिखेगा। सोशल सिक्योरिटी कोड के लागू होने से ईपीएफ, ईएसआई, ग्रेच्युटी, मातृत्व लाभ जैसी सभी योजनाएं एक ही ढांचे में आ जाएंगी, जिससे कर्मचारियों को अधिक स्पष्टता और सुरक्षा मिलेगी। इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड से हायरिंगङ्फायरिंग, कंडक्ट, विवाद निपटान, ट्रेड यूनियन संरचना और उद्योग संबंधों में नए प्रावधान लागू हुए हैं। वहीं ओएसएच वर्किंग कंडीशंस कोड से तेल के छोटे उत्पादक रीपैकर्स रीलेबलर्स,छोटे उत्पादक,यूनिट्स में सुरक्षा, कार्यस्थल स्वास्थ्य और लाइसेंसिंग प्रक्रिया में परिवर्तन आया है। शंकर ठक्कर ने श्रमिक संहिता पर अपने विचार रखते हुए कहा कि व्यापार और उद्योग को राहत देने के उद्देश्य से कई केंद्रीय नियम सरल किए गए हैं, लेकिन केंद्र के आदेश का राज्य सरकार किस प्रकार अमल करवाती है इस पर भी व्यापार एवं उद्योग को ध्यान देना पड़ेगा सरकार को नए कानून लागू करवाने से पहले से संबंधित सभी सेक्टर को नए बदलावों की विस्तृत जानकारी समय पर देनी चाहिए, नहीं तो अनुपालन बोझ, दस्तावेज व्यवस्था या निरीक्षण के दौरान कठिनाइयां सामने आ सकती हैं। खाना पकाने का तेल का व्यापार बहु-स्तरीय, श्रम-प्रधान और विविध प्रक्रियाओं वाला उद्योग है, इसलिए सरकार से यह अपेक्षा है कि वह एमएसएमई यूनिट्स, रीपैकर्स, ऑयल मिल , ठेका श्रमिकों और छोटे एवं मझौले व्यापारियों के लिए विशेष दिशानिर्देश शीघ्र जारी करे।

अग्रवाल दिगंबर जैन संस्था का वार्षिकोत्सव व कवि सम्मेलन सम्पन्न

तरुणमित्र ब्यूरो

मुंबई : अग्रवाल दिगंबर जैन संस्था का वार्षिकोत्सव डी जे खेतान आडिटोरियम मालाड मुंबई में धूमधाम से संपन्न हुआ। संस्था के अध्यक्ष अतुल कुमार जैन ने संस्था द्वारा किए गए कार्यों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। यह संस्था समाज के उत्थान, विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय, लोगों में जैन धर्म के प्रचार-प्रसार व महत्व को बढ़ाने का काम करती है। इस अवसर पर एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें हास्य सम्राट सुरेश मिश्र के संचालन में महेश दूबे, लाफ्टर चैंपियन फेम गौरव शर्मा, शायरा

व अभिनेत्री लता हया,व राना तबस्सुम ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री व विधायक विद्या ठाकुर, वरिष्ठ भाजपा नेता जयप्रकाश ठाकुर, एचपीसी के पूर्व चेयरमैन शशिकांत जैन सहित समाज के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित थे। समारोह को सफल बनाने में आशीष जैन, नेहा जैन, गोपाल जैन, रीता जैन, सीमा जैन, मयंक जैन, प्रवीण जैन, रमेश जैन ने अथक प्रयास किया।संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन संस्था के महामंत्री शरद जैन ने किया। आशीष जैन ने मेहमानों का स्वागत किया। अंत में अतुल जैन ने आभार व्यक्त किया।

राहनाल में स्व. गोपीनाथ भोइर सामाजिक संस्था द्वारा स्वास्थ्य शिविर संपन्न

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडीः राहनाल स्थित स्व. गोपीनाथ भोइर सामाजिक संस्था की ओर से भाजपा राहनाल शाखा के सहयोग से चरणीपाड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य उपकेंद्र में भव्य स्वास्थ्य जांच एवं मुफ्त दवा वितरण शिविर का आयोजन रविवार (23) को किया गया। संस्था के संस्थापक राजेंद्र भोइर और पूर्व जिला परिषद सभापति सपना भोइर के पुढाकार से आयोजित इस शिविर का उद्घाटन भाजपा जिलाध्यक्ष जितेंद्र डाकी के हाथों तथा भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश पाटील की प्रमुख उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर प्रभारी सरपंच प्रताप पाटील, नामदेव पाटील, राजेंद्र मढवी, पूर्व पंचायत समिति सभापति ललिता पाटील, पूर्व सरपंच ज्योत्स्ना मढवी, ग्रामपंचायत सदस्य तथा ग्रामस्थ बड़ी संख्या में उपस्थित

थे। संजिवन हॉस्पिटल पुर्णा, गोपीरत्न हॉस्पिटल कालेर, स्पेक्ट्रम हॉस्पिटल अंजूरफाटा के सहयोग से आयोजित इस विशाल स्वास्थ्य शिविर में हृदयरोग, मधुमेह, स्त्रीरोग और सामान्य बीमारियों की जांच विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा की गई। चरणीपाड़ा, आनंद नगर, लक्ष्मण नगर, रेल्वे झोपड़पट्टी क्षेत्र के 300 से अधिक महिला-पुरुषों की जांच की गई। जरूरतमंदों को मुफ्त दवाएं भी वितरित की गईं। इस अवसर पर राहनाल गांव के 13 विभिन्न चिकित्सा पदवीधारक डॉक्टरों का मान्यवरों के हाथों सम्मान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में देवेश भोइर, भाजपा बूथ अध्यक्ष कैलास नाइक, पंकज पाटील, गणेश कांबले, मंगेश उबाळे, किरण पवार, उमेश पवार, केविन गडा और विठ्ठल पिंगले ने विशेष मेहनत ली।

डहाणू ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की वर्षा वायडा अध्यक्ष नियुक्त

•पार्टी से निलंबित हुए डहाणू के हफिजू खान,संतोष मोरे।

तरुणमित्र-ओमप्रकाश द्विवेदी

पालघर। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के संस्तुति पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदेश एड.गणेश पाटील के अधोहस्ताक्षरी से जिले के डहाणू ब्लॉक कमेटी के रिक्त पड़े अध्यक्ष पर वर्षा भरत वायडा को नियुक्ति प्रदान की गयी है। उक्त आशय की जानकारी महाराष्ट्र प्रदेश कमेटी की ओर से जिले के प्रभारी व प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश टावरे और जिलाध्यक्ष पालघर कांग्रेस कमेटी प्रफुल्ल पाटील को सौंपी गयी है। एक अन्य समाचार में डहाणू नगरपरिषद के चुनाव में नगरसेवक पद के अधिकृत प्रत्याशी हफीजू खान पालघर जिला उपाध्यक्ष व

संतोष मोरे डहाणू तालुकाध्यक्ष द्वारा पार्टी पदाधिकारियों और नेताओं को जानकारी दिये बगैर नामांकन वापस लेने पर पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण प्रदेशाध्यक्ष सपकाल के आदेशानुसार ०६ वर्ष के लिए निलंबित कर दिया गया है। मीडिया में यह जानकारी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव कैप्टन सत्यम ठाकुर द्वारा प्रेषित की गयी है।

प्यार और धोखे की जाल में फंसी युवती

▪ शादी का झांसा देकर 23 लाख का लोन लेकर की ठगी

तरुणमित्र/ब्यूरो

नवी मुंबई। प्यार, शादी और पैसे की ठगी का एक सनसनीखेज मामला तुर्भे से सामने आया है. एक 31 वर्षीय पीड़िता को शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने और विभिन्न बहाने से उसके नाम पर लाखों रुपए का लोन लेकर धोखाधड़ी करने के आरोप में एक व्यक्ति पर तुर्भे पुलिस ने मामला दर्ज की है।

पुलिस के अनुसार, 31 वर्षीय पीड़िता ने डोंबिवली (पूर्व) के रहनेवाले आरोपी अक्षय रविदास फनीकर (32) के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत के मुताबिक आरोपी अक्षय ने पीड़िता को शादी का प्रलोभन दिया और इसी के चलते सितंबर 2024 से अबतक खैरणे एमआईडीसी स्थित एक होटल के उससे लगातार शारीरिक संबंध बनाए. पीड़िता ने बताया कि भावनात्मक संबंध बनाने के बाद, आरोपी ने अपनी आर्थिक तंगी, माँ की बीमारी, और सिंगापुर जाने जैसे विभिन्न झूठे कारण बताकर उसका विश्वास जीता. इसका फायदा उठाकर आरोपी ने पीड़िता के नाम पर विभिन्न बैंकों से लोन लेकर कुल 23 लाख से अधिक रुपये की ठगी की. पुलिस ने बताई कि यह मामला पहले खांदेश्वर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था हालांकि यह घटना तुर्भे पुलिस की हद्द में घटने के कारण तुर्भे पुलिस ने मामला दर्ज की है. तुर्भे पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझते हुए आरोपी अक्षय रविदास फनीकर पर मामला दर्ज कर गिरफ्तारी की तैयारी सुरु की है।

ठाणे महापालिका मतदाता सूची में गड़बड़ी ? मनसे ने मनपा मुख्यालय में किया प्रदर्शन

तरुणमित्र युसुफ पुरी

ठाणेः आगामी ठाणे महानगर पालिका चुनावों के लिए महानगर पालिका चुनाव विभाग ने प्रारूप मतदाता सूचियां जारी कर दी हैं। हालांकि, इन सूचियों में बड़ी गड़बड़ी होने का आरोप लगाते हुए मनसे नेता अविनाश जाधव ने सोमवार को महानगर पालिका मुख्यालय में प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने जोरदार घोषणाबाजी करते हुए चुनाव अधिकारियों को घेरकर जवाब मांगा।

घटना के बाद अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे ने मनसे के शिष्टमंडल से मुलाकात कर उनकी समस्याओं पर चर्चा की। प्रदर्शन और घोषणाबाजी के कारण मुख्यालय में कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल रहा। ठाणे महा नगर पालिका के चुनाव जनवरी माह में होने की संभावना है। इसके लिए चुनाव विभाग ने पिछले कुछ महीनों से तैयारियां शुरू कर दी हैं। अंतिम प्रभाग संरचना और आरक्षण की प्रक्रिया पूरी कर प्रारूप मतदाता सूचियां भी जारी कर दी गई हैं।

मनसे नेता अविनाश जाधव का आरोप है कि मतदाता सूचियों में बड़ी गड़बड़ी है। उन्होंने बताया कि प्रभाग के नक्शे और मतदाता संख्या में असमानता देखने को मिली है। ठाणे महानगरपालिका क्षेत्र में कुल 33 प्रभाग हैं। नक्शे में दर्शाई गई सीमाओं के बाहर की इमारतों और मतदाताओं को भी सूची में शामिल किया गया है। अनुमानित मतदाता संख्या 16 लाख 49 हजार है, जिसमें करीब चार लाख अतिरिक्त मतदाता जुड़ गए हैं। इसका मतलब है कि प्रत्येक प्रभाग में लगभग 20-25 हजार यानी 25 प्रतिशत अधिक मतदाता दर्ज किए गए हैं। जाधव ने आरोप लगाया कि चुनाव अधिकारियों ने सत्ताधारियों के लिए अनुकूल सूची तैयार की है। शनिवार को जब वे अधिकारियों से जवाब मांगने गए, तो अधिकारी कार्यालयीन समय में किसी शादी समारोह में होने के कारण अनुपस्थित थे, जिससे मनसे कार्यकर्ता असंतुष्ट हो गए। इस विवाद के बीच प्रारूप मतदाता सूचियों पर आपत्तियां और सुझाव देने की अंतिम तारीख 27 नवंबर निर्धारित की गई है। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि महापालिका कार्यालय में उम्मीदवार सूची लेने पहुंचे हैं, लेकिन पर्याप्त संख्या में मुद्रित सूचियां अभी उपलब्ध नहीं हैं। जाधव ने सवाल उठाया कि इतनी कम समय में सुझाव लेने के लिए यह अवधि पर्याप्त है या नहीं।

जमील शेख की पत्नी खुशनुमा शेख नजीब मुल्ला के खिलाफ लड़ेंगी चुनाव

राबोडी हत्या मामला चुनावी प्रचार में बनेगा अहम मुद्दा

तरुणमित्र सारा पुरी

ठाणेः आगामी ठाणे महानगर पालिका चुनाव 2025 की तैयारी तेज़ हो गई है। विभिन्न राजनीतिक दल अपने इच्छुक उम्मीदवारों से आवेदन मांग रहे हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) ने राबोडी इलाके के बहुचर्चित हत्या प्रकरण से जुड़े जमील शेख की पत्नी खुशनुमा शेख को नजीब मुल्ला के खिलाफ चुनावी मैदान में

उतारने का फैसला किया है। नजीब मुल्ला, जो अजित पवार गुट के शहराध्यक्ष हैं, पर जमील शेख हत्या मामले में आरोप लगता रहा है। यही वजह है कि खुशनुमा शेख की चुनावी एंट्री को स्थानीय राजनीतिक जानकार महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हत्या प्रकरण की पृष्ठभूमि : 23 नवंबर 2020 को राबोडी क्षेत्र में जमील शेख की बाइक पर हमला किया गया

था। उनके सिर पर गोली मारी गई थी और उन्हें गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया। इस मामले में मुख्य संदिग्ध की अब तक गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। जमील शेख के हत्या प्रकरण को पांच साल पूरे होने पर, खुशनुमा शेख ने इस दिन चुनावी मैदान में उतरने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा, "पांच साल से न्याय की लड़ाई लड़ रही हूँ। मेरे पति जनसेवा में विश्वास रखते थे, उनके सपनों को पूरा करने के लिए मैं चुनाव लड़ रही हूँ।"

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के शहराध्यक्ष मनोज प्रधान ने कहा, "उम्मीदवारी का अंतिम निर्णय वरिष्ठ नेताओं द्वारा लिया जाएगा। हालांकि, हमें विश्वास है कि खुशनुमा शेख को पार्टी द्वारा समर्थन मिलेगा।" ठाणे महा नगर पालिका चुनाव के लिए प्रभागों का आरक्षण पूरा हो चुका है और राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुटे हैं। इस चुनाव में राबोडी हत्या प्रकरण निश्चित रूप से प्रचार का अहम मुद्दा बनेगा।

मामूली कहासुनी पर दोस्त के सामने युवक पर धारदार हथियार से हमला

तरुणमित्र/ब्यूरो

नवी मुंबई। नवी मुंबई के घनसोली सेक्टर ९ स्थित घरोंदा एफ टाइप सोसायटी के गार्डन में रविवार देर रात एक हटके वारदात सामने आई है. मामूली कहासुनी को लेकर एक युवक ने अपने दोस्त के सामने ही दूसरे युवक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया. इस मामले में रबाले पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार न करते हुए आरोपी को नोटिस देकर छोड़ दी है। पुलिस के मुताबिक घटना रविवार रात घरोंदा सोसायटी के बगल वाले गार्डन में हुई. इस मामले में घायल व्यवसायी शुभम सणस (36) ने अपने पड़ोसी सूरज शर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत के अनुसार, उस रात शुभम ने आरोपी सूरज शर्मा के साथ मौजूद अपने दोस्त चेतन सणस को घर जाने को कहा. शुभम के मुताबिक, यह बात आरोपी सूरज शर्मा को नागवार गुज़री. इसके बाद, आरोपी सूरज शर्मा ने कथित तौर पर शुभम सणस को धक्का दिया और अलग ले जाकर अपने पास रखे धारदार हथियार से शुभम के ऊपर वार कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई. हमलावर ने वार करने के बाद भी शुभम को लात-घूँसों से भी मारा और गाली-गलौज की।

संपादकीय

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों

एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?

महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?

वह बोला- नहीं जानता।

तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा? अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

जब मिट्टी मरती है

प्रोफेसर अजय द्विवेदी, शिक्षाविद्

भारत की स्मृतियों में मिट्टी केवल धरती का तत्व नहीं बल्कि जीवन की खुशबू है। यही मिट्टी ऋषियों के तप की साथी रही, किसानों के श्रम की गवाही रही और हमारी सभ्यता की जन्मदात्री रही। इसी मिट्टी की गोद में हमारी संस्कृति पली, भाषाएँ फलीं और खेतों की हरियाली ने हमारी थालियाँ भरीं। लेकिन आज इस मौन धरती के भीतर एक बेचैनी है। वह करवट बदलती है पर कोई सुनता नहीं। वह कराहती है पर कोई समझता नहीं। हमारी आत्मा की जमीन जिस मिट्टी पर टिकी थी अब उसी मिट्टी की सांसें टूट रही हैं। भारतीय परंपरा में मिट्टी को माता कहने की परंपरा यूँ ही नहीं बनी थी। ऋग्वेद का उद्घोष माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः बताता है कि मनुष्य और धरती का संबंध जन्म और नाल जैसा था। लेकिन समय बदलता गया और मिट्टी से आत्मीयता का रिश्ता कम होता गया। अब मिट्टी को हम एक माप की इकाई, एक प्लॉट, एक संपत्ति और एक दाम में बदल चुके हैं। मिट्टी जिसे कभी माथे पर लगाया जाता था अब केवल जूतों के नीचे धूल बनकर रह गई है। मिट्टी की सेहत की जो स्थिति आज हमारे सामने है वह केवल चिंता नहीं बल्कि चेतावनी है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट यानी सी एस ई के संयुक्त आकलन में यह सामने आया कि देश की मिट्टी के चौसठ प्रतिशत नमूनों में नाइट्रोजन की कमी, लगभग उन्चास प्रतिशत में जैविक कार्बन की कमी और लगभग पचास प्रतिशत मिट्टी में जिंक जैसे सूक्ष्म पोषक घटकों की कमी दर्ज की गई है। यह कमी केवल रासायनिक स्तर पर नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों की थाली शरीर और बुद्धि पर असर डालने वाली है। हरित क्रांति के बाद जो खाद कीटनाशक और उर्वरक खेतों में डाले गए उन्होंने शुरू में उपज बढ़ाई जरूर लेकिन धीरे धीरे मिट्टी की जड़ों से जीवन सोख लिया। पंजाब हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जहाँ कभी धरती को सोने की थाली कहा जाता था आज वहीं उत्पादन घट रहा है मिट्टी कठोर हो रही है और जमीन थक चुकी है। नेशनल ब्यूरो ऑफ सॉइल सर्वे के आँकड़े बताते हैं कि मिट्टी के आवश्यक पोषक तत्वों में चालीस से पचास प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की जा चुकी है। लेकिन मिट्टी की त्रासदी केवल खेतों तक सीमित नहीं रही। शहरों के फैलाव ने मिट्टी के शरीर पर कंक्रीट की मोटी चादर बिछा दी है। भारत में हर वर्ष लगभग एक लाख साठ हजार हेक्टेयर उपजाऊ भूमि इमारतों सड़कों और निर्माण परियोजनाओं में दब जाती है। पूरे भारत वर्ष में कोई ऐसा शहर नहीं जिसकी सीमाएँ खेतों को न निगल रही हों। जहाँ कभी हल की रेखाएँ खिंचती थीं अब वहाँ नक्शे खिंचते हैं। जहां बड़े बड़े वृक्ष होते थे वहां अब कंक्रीट के जंगल उग रहे हैं। और मिट्टी की सबसे बड़ी पीड़ा वहाँ है जहाँ आग उसे चीरती है। पराली जलाने की बढ़ती प्रवृत्ति ने मिट्टी के प्राण तत्व को जला दिया है। वैज्ञानिक परीक्षण बताते हैं कि एक हेक्टेयर पराली जलाने पर लगभग पच्चीस टन कार्बन डाइऑक्साइड और विषैली गैसें निकलती हैं और मिट्टी की ऊपरी परत का तापमान चार सौ से छह सौ डिग्री सेल्सियस तक पहुँच जाता है। इस तापमान पर मिट्टी में रहने वाले पचानवे प्रतिशत लाभकारी जीवाणु केंचुए और फफूंद भस्म हो जाते हैं। शहरों में कचरा और प्लास्टिक जलाने की पीड़ा और गहरी है। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड यानी सी पी सी बी की रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली एन सी आर और लुधियाना क्षेत्र की मिट्टी में सीसा कैडमियम और पारा जैसी धातुओं का स्तर सुरक्षित सीमा से कई गुना अधिक हो चुका है। यह मिट्टी हरियाली दिखाती जरूर है लेकिन उसके भीतर जहर पलता है जो सब्जियों में जाता है अनाज में बदलता है और अंततः मनुष्य के शरीर में उतर आता है।

भारत की नदियाँ भी मिट्टी की मृत्यु का इतिहास बहा रही हैं। इसरो की रिपोर्ट के अनुसार देश की उनतीस दशमलव तीन प्रतिशत भूमि मिट्टी क्षरण की चपेट में है। गंगा और ब्रह्मपुत्र हर वर्ष करोड़ों टन उपजाऊ मिट्टी समुद्र में बहा ले जाती हैं। हिमालयी क्षेत्र में वनों की कटाई ने मिट्टी की जड़ों को हिला दिया है। मानसून आता है और पहाड़ का खून मिट्टी बनकर बह जाता है। राजस्थान का रेगिस्तान हर वर्ष एक से डेढ़ किलोमीटर बढ़ता जा रहा है। किसानों की आत्महत्या के आँकड़ों में भी मिट्टी की कराह छिपी है। जब भूमि बंजर होती है किसान की उम्मीद सूख जाती है। विदर्भ में एक किसान ने कहा था कि मिट्टी अब मेरी साथी नहीं रही। यह वाक्य किसी मनोवैज्ञानिक शोध का निष्कर्ष नहीं बल्कि एक सभ्यता का दर्द है। संयुक्त राष्ट्र की यू एन सी सी डी रिपोर्ट चेतावनी देती है कि यदि यही गति रही तो बीस सौ पचास तक दुनिया की नब्बे प्रतिशत मिट्टी किसी न किसी रूप में क्षरणग्रस्त हो जाएगी। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह भविष्य नहीं बल्कि भय है। लेकिन आशा अभी जीवित है और वही मिट्टी इस आशा की जननी है। सिक्किम ने जब स्वयं को पूर्ण जैविक राज्य घोषित किया तब कुछ ही वर्षों में मिट्टी में जैविक कार्बन तेईस प्रतिशत तक बढ़ा जलधारण क्षमता सुधरी और किसानों की आय स्थिर हुई। आंध्र प्रदेश और हिमाचल में प्राकृतिक खेती के प्रयोग सिद्ध कर रहे हैं कि मिट्टी को जीवन तब मिलता है जब मनुष्य उसे जीवित रहने देता है। अब ज़रूरत चेतना की है। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में मिट्टी साक्षरता जोड़नी होगी। भूमि उपयोग नीति को कठोरता से लागू करना होगा। मृदा स्वास्थ्य कार्ड को एक सरकारी कागज़ नहीं जन जागरण बनाना होगा। भारतीय संस्कृति मिट्टी का सम्मान करना सिखाती है। दीपावली का दीया होली का गेरू गणेशोत्सव की मिट्टी ये सब स्मरण कराते हैं कि मिट्टी केवल प्रकृति नहीं हमारी स्मृति है। कबीर चेताते हैं माटी कहे कुम्हार से तू क्या रौंदे मोहे एक दिन ऐसा आएगा मैं रौंदूंगी तोहे। अब प्रश्न यह नहीं कि मिट्टी कब मरेगी प्रश्न यह है कि हम कब जागेंगे। क्या हम वह पीढ़ी बनेंगे जो विकास के नाम पर धरती मां की हत्या करे या वह जो मिट्टी में फिर से जीवन जगाए।क्योंकि जब मिट्टी मरती है तब पेड़ नहीं फसल नहीं नदी नहीं बल्कि मनुष्य मरता है। और तब इतिहास हमारे नाम के साथ केवल यही लिखेगा जब मिट्टी मरती है।

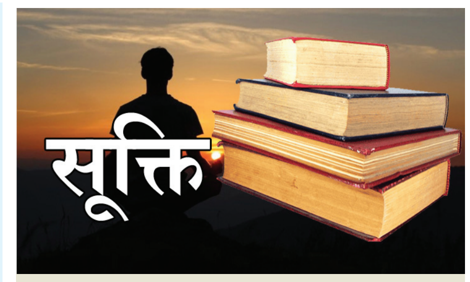

अनुराग, यौवन, रूप या धन से उत्पन्न नहीं होता। अनुराग, अनुराग से उत्पन्न होता है।

- प्रेमचंद

भय से ही दुःख आते हैं, भय से ही मृत्यु होती है और भय से ही बुराइयाँ उत्पन्न होती हैं।

- स्वामी विवेकानंद

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, मार्ग शीर्ष शुक्ल पक्ष, हेमंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे तिथि पंचमी, मंगलवार, उ.षा. नक्षत्रे, गण योगे, वालव करणे, मकर की चंद्रमा, श्री पंचमी विवाह, पंचमी रवियोग 36/8 सीमांतक पुण्य योग, तथापि सूती स्नान शिल्प कर्म मुर्हूत तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, उत्तम व्यापारी, किराना मर्चेन्ट, कपड़े का कुशल व्यापारी, धनी होगा।

मेष राशि :- व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि, शुभ समाचार मिलने का योग, समय का ध्यान रखें।

वृष राशि :- आकस्मिक बेचैनी, स्वभाव में खिन्नता, थकावट, असमंजस की स्थिति बनेगी।

मिथुन राशि :- बेचैनी से स्वभाव में खिन्नता, मन भ्रमित होगा, मान-प्रतिष्ठा में कमी, सावधान रहें।

कर्क राशि :- दैनिक कार्य वृद्धि में सुधार एवं योजनायें फलीभूत होंगी, कार्य बनेगा ध्यान दें।

सिंह राशि :- विसंगति से हानि, आशानुकूल सफलता से हर्ष, बिगड़े कार्य बन ही जायेंगे।

कन्या राशि :- स्त्री-वर्ग से हर्ष-उल्लास, सामाजिक कार्यों में मान-प्रतिष्ठा, नवीन कार्य होंगे।

तुला राशि :- मान-प्रतिष्ठा पर आंच आने का डर, विवाद-ग्रस्त होने से बचें, धैर्य रखें।

वृश्चिक राशि :- सामाजिक कार्यों में प्रभुत्व वृद्धि, संवृद्धि, संवर्धन के योग बनेंगे।

धनु राशि :- शुभ समाचार से संतोष, दैनिक कार्यगति अनुकूल, मनोकामना पूर्ण होगी, ध्यान दें।

मकर राशि :- विघटनकारी तत्व परेशान करें, अचानक यात्रा के प्रसंग अवश्य ही बनेंगे।

कुंभ राशि :- स्वभाव में खिन्नता, मानसिक बेचैनी, परिश्रम से व्यवस्था अवश्य बनेगी।

मीन राशि :- समृद्धि के साधन जुटायें, अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा, कार्य बनेंगे।

क्रिप्टो करेंसी, रिश्वत और ट्रंपः अमेरिका का महा-घोटाला?

सनत जैन

दुनिया भर में क्रिप्टो मार्केट की हालिया गिरावट ने एक बार फिर इस सवाल को मजबूती से खड़ा कर दिया है। क्या यह पूरा ढांचा नई डिजिटल करेंसी का वित्तीय नवाचार है, या वैश्विक स्तर पर फैलता हुआ एक अनियंत्रित वित्तीय घोटाला है। पिछले एक महीने में क्रिप्टो मार्केट से लगभग 1.2 ट्रिलियन डॉलर गायब हो चुके हैं। यह रकम अकेले भारत की अर्थव्यवस्था के 25प्रतिशत के बराबर है। इस वैश्विक आर्थिक भूचाल की सबसे तीखी बहस अमेरिका में छिड़ गई है। अमेरिका में क्रिप्टो करेंसी को लेकर कई आरोप सामने आ रहे हैं। क्रिप्टो को लेकर अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में नई बहस शुरू हो गई है। क्रिप्टो करेंसी और क्रिप्टो मार्केट की गतिविधियां महज बाज़ार की अस्थिरता नहीं है। बल्कि सत्ता, राजनीति और निजी लाभ के लिए एक खतरनाक खेल खेला जा रहा है। जिसमें बड़े-बड़े राजनेता और बड़े-बड़े पूंजीपति एक ओर रिश्वत की रकम लेने का एक नया सिस्टम बना रहे हैं, तो वही दूसरी ओर आम आदमियों को क्रिप्टो करेंसी के जाल में फंसाकर लूट का एक नया बाजार तैयार कर रहे हैं। क्योंकि इसमें दुनिया के कई देशों के राजनेता और बड़े-बड़े पूंजीपति शामिल हैं। इसलिए आम जनता भी इसमें फंसती चली जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से क्रिप्टो समर्थक रहे हैं। उन्होंने न केवल क्रिप्टो को भविष्य की अर्थव्यवस्था बताया है, बल्कि अपने नाम से कॉइन लॉन्च कर इस कारोबार में अपने परिवार को शामिल कर इसे नई हवा दी है। पिछले कुछ महीनो से क्रिप्टो करंसी से भारी धन कमाने का आरोप डोनाल्ड ट्रंप और उनके परिवार पर लगने लगा है। ट्रंप पर यह आरोप है, कि कई विवादित व्यक्तियों ने ट्रंप को क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से भारी धन ट्रांसफर कर अमेरिका में जो मुकदमे क्रिप्टो बिलियनेयर्स या एक्सचेंज मालिकों पर मनी लॉन्ड्रिंग, सिक्योरिटी फ्रॉड या डार्क-वेब गतिविधियों के चल रहे थे, उन्हें ट्रंप के शासनकाल में राष्ट्रपति से क्षमादान मिल गया है। सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म में यह सवाल फैल गया है, क्या क्रिप्टो निवेश के नाम पर अमेरिका में राजनीतिक सौदेबाज़ी हुई है? कई विश्लेषक यह तर्क दे रहे हैं, ट्रंप के निजी व्यावसायिक उपक्रमों में क्रिप्टो के माध्यम से भारी निवेश पिछले 10 महीनो में किया गया है। इसमें ट्रंप के परिवार को फायदा हुआ है। अमेरिका के हितों को नुकसान हुआ है। इस पर गंभीर सवाल अमेरिका में खड़े हो रहे हैं। कोई कंपनी या व्यक्ति राष्ट्रपति के व्यवसाय में करोड़ों-अरबों डॉलर निवेश करता है, कुछ ही समय बाद उसके खिलाफ जांच या कानूनी कार्रवाई कमजोर पड़ जाती है, या उसे माफी दे दी जाती है। तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा प्रहार माना जा रहा है। यहीं से यह आशंका जन्म लेती है, क्रिप्टो एक "डिजिटल दानपत्र" बन गया है? जहां निवेश का असली स्रोत, उद्देश्य और फायदा सब छिप जाता है। क्रिप्टो के माध्यम से किए हुए निवेश का सोर्स का पता लगाना एक तरह से नामुमकिन है। अमेरिकी कांग्रेस में अब यह चर्चा तेज हो गई है। क्रिप्टो के जरिये चुनावी फंडिंग को नियंत्रित करना सरकार के लिए लगभग असंभव है। विदेशों के निवेशक, विवादित कारोबारी या कोई भी गुमनाम इकाई आसानी से क्रिप्टो करंसी के डिजिटल टोकन खरीदकर उसके माध्यम से सक्षम प्राधिकारी को देकर राजनीतिक शरण हासिल कर सकती है। यही कारण है, आर्थिक विशेषज्ञ इसे अमेरिकी लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा मानने लगे हैं। क्रिप्टो करंसी का मुख्य उद्देश्य बताया गया था, आर्थिक आज़ादी, पारदर्शिता और नई तकनीक अर्थव्यवस्था की मजबूती। लेकिन अब इसकी जो हकीकत, सामने आ रही है उसमें राजनेताओं से मिलकर, उन्हें क्रिप्टो करेंसी में रिश्वत देकर अपने पक्ष में फैसला कराने के लिए क्रिप्टोकरंसी का बड़े पैमाने पर उपयोग हो रहा है। जिसके कारण कई देशों में क्रिप्टोकरंसी को अविश्वास और भ्रष्टाचार के नए रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका की त्रासदी यह है, यदि क्रिप्टो सचमुच सत्ता के साथ मिलकर भ्रष्टाचार का नया मॉडल बन गया है। तो सबसे बड़ा नुकसान साधारण निवेशकों और लोकतांत्रिक संस्थानों को होना तय है। ज़रूरी है, क्रिप्टो पर कड़ी निगरानी, सख़्त नियमन और राजनीतिक कारोबारी संबंधों पर पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। वरना यह "डिजिटल क्रांति" दुनिया की अर्थव्यवस्था और राजनीति दोनों के लिए बड़ी घातक साबित होगी। सारी दुनिया का मध्यम वर्ग और गरीब आदमी पर इसका असर पड़ेगा।

आईआईटीएफ 2025ः व्यापार, नवाचार और सांस्कृतिक वैभव का उत्सव

योगेश कुमार गोयल

14 नवंबर से 27 नवंबर 2025 तक दिल्ली के प्रगति मैदान में 45वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला भव्य रूप में आयोजित हो रहा है। साल दर साल यह मेला न केवल देश के व्यापार को बढ़ावा देता है बल्कि भारत की विविध संस्कृति, कला, तकनीक और नवाचार को भी दुनिया के साथ साझा करने का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। प्रिगति मैदान में हर वर्ष लगने वाला यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला देश की आर्थिक, सांस्कृतिक और तकनीकी प्रगति का जीवंत उत्सव है। यह वह मंच है, जहां भारत अपने भीतर छिपी विशाल संभावनाओं, विविधताओं और नवाचारों को दुनिया के सामने पूरी ऊर्जा और भव्यता के साथ प्रस्तुत करता है। इस वर्ष आयोजित किया जा रहा 45वां भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला कई मायनों में अत्यंत खास है। यह केवल खरीदारी का मौका नहीं बल्कि हर आगंतुक के लिए सीख, अनुभव, मनोरंजन और वैश्विक सामंजस्य का अनूठा संगम बन चुका है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की थीम के साथ यह आयोजन देश की सांस्कृतिक एकता, तकनीकी क्षमता, आत्मनिर्भरता की भावना और वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका को नई पहचान देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस मेले को 'आत्मनिर्भर भारत का उत्सव' कहना अपने आप में इस आयोजन की महत्ता को दर्शाता है। यह वास्तव में वही स्थान है, जहां भारत दुनिया से मिलता है, दुनिया भारत को समझती है और दोनों मिलकर नए विचारों और नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। यही कारण है कि यह मेला दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा बी2बी और बी2सी मंच बन चुका है, जहां कारोबार, तकनीक, परंपरा, निवेश, नवाचार और संस्कृति सब एक ही स्थान पर आकार लेते हैं। इस वर्ष मेले में 11 देशों ने भागीदारी की है, जिनमें चीन, थाईलैंड, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, तुर्किये, मिस्र, लेबनान, ईरान, यूएई, स्वीडन और ट्यूनीशिया शामिल हैं। इन देशों की भागीदारी न केवल अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधों को मजबूत बनाती है बल्कि भारत के युवाओं, उद्यमियों और उद्योगों के लिए सीखने और सहयोग के नए द्वार खोलती है। विदेशी स्टॉलों पर तकनीक, फैशन, कृषि, इलैक्ट्रॉनिक्स, कला, होम डेकोर और जीवनशैली से जुड़े उत्पादों का ऐसा अनूठा मिश्रण देखने को मिलता है, जो किसी भी आगंतुक को वैश्विक बाजारों की ताजा हलचल और रुझानों से जोड़ देता है। भारत के राज्यों की भागीदारी इस मेले की सबसे बड़ी विशेषता है क्योंकि यहां देश की सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता एक ही छत के नीचे साकार होती है। इस बार बिहार, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र पार्टनर स्टेट हैं जबकि झारखंड को 'फोकस स्टेट' का विशेष दर्जा दिया गया है। इन राज्यों के मंडपों में कला, लोककला, परंपरागत शिल्प, कृषि आधारित नवाचार, औद्योगिक प्रगति, पर्यटन, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्टार्टअप इकोसिस्टम और सरकारी योजनाओं की झलक मिलती है। यह वह मौका है, जब आगंतुक केवल देखते नहीं बल्कि समझते भी हैं कि भारत की सच्ची ताकत उसकी विविधता में है और यही विविधता उसे वैश्विक मंच पर सबसे अलग बनाती है। मेले के हॉलों में इस बार अत्याधुनिक तकनीक से लेकर परंपरागत कला तक सब कुछ देखने को मिलेगा। इलैक्ट्रॉनिक्स, साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप इनोवेशन, वस्त्र, मसाले, हस्तशिल्प, एमएसएमई उत्पाद, खादी और ग्रामीण विकास से जुड़े हजारों उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। हॉल 8, 9 और 10 में 'सरस मेला' देशभर की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का बड़ा अवसर देता है। यहां ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रॉडक्ट) की झलक भी देखने को मिलती है, जो स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देने का महत्वपूर्ण प्रयास है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग, आयुष मंत्रालय, रेलवे, आरबीआई, एलआईसी, एनसीईआरटी, पीएमबीआई और कई अन्य प्रमुख सरकारी संस्थाएं भी इस मेले में अपने नवाचार और सेवाओं के माध्यम से देश की प्रगति को दर्शाती हैं। यह मेला वास्तव में भविष्य की दिशा दिखाता है, एक ऐसा भारत, जो परंपरा को भी संभाले हुए है और आधुनिक तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। इस मेले की एक और खासियत इसका सांस्कृतिक वैभव है। रोजाना विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सांस्कृतिक कार्यक्रम खुले मंचों पर प्रस्तुत किए जाते हैं। लोक संगीत, शास्त्रीय नृत्य, जनजातीय नृत्य, फोक फ्यूजन और पारंपरिक कला का अनूठा मेल न केवल वातावरण को जीवंत बनाता है बल्कि आगंतुकों को भारत की सांस्कृतिक आत्मा से जोड़ देता है। साथ ही, भारतीय व्यंजनों की खुशबू और स्वाद हर आगंतुक के लिए इस मेले के अनुभव को अविस्मरणीय बना देते हैं। प्रगति मैदान जैसे विशाल परिसर में सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए इस वर्ष विशेष प्रबंध किए गए हैं। हर हॉल के पास फर्स्ट एड बूथ, मेडिकल सुविधाएं, दर्जनों एंबुलेंस और पर्याप्त संख्या में व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। 245 यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती, 16 बाइक पैट्रोल टीमें, 15 क्रेन और तीन आपदा प्रबंधन वाहन मेले की भीड़-भाड़ को नियंत्रित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। यातायात नियंत्रण कक्ष और सोशल मीडिया पर लगातार जारी की जा रही ट्रैफिक एडवाइजरी सुनिश्चित करती है कि कोई भी आगंतुक परेशानी का सामना न करे। टिकट व्यवस्था की बात करें तो 19 से 27 नवंबर तक आम जनता के लिए सामान्य दिनों में 80 रुपये और सप्ताहांत पर 150 रुपये का टिकट रखा गया है। बच्चों के लिए टिकटें 40 और 60 रुपये हैं जबकि वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजन के लिए प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है। टिकट दिल्ली मैट्रो स्टेशनों और आईटीपीओ की वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध हैं। आवागमन के लिए दिल्ली मैट्रो सबसे सुरक्षित और सुविधाजनक विकल्प है। सुप्रीम कोर्ट मैट्रो स्टेशन सीधे भारत मंडपम के प्रवेश द्वार तक पहुंच प्रदान करता है। गेट नंबर 3, 4, 6 और 10 से आगंतुकों का प्रवेश सुनिश्चित किया गया है जबकि अन्य द्वारों पर प्रवेश प्रतिबंधित है। ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए प्रगति मैदान के आसपास कई मार्गों में बदलाव किए गए हैं, इसलिए सलाह दी जाती है कि वाहन से आने वाले लोग पार्किंग संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करें। बेसमेंट पार्किंग और राष्ट्रीय स्टेडियम पार्किंग में बड़े पैमाने पर वाहन पार्किंग की सुविधा है। कुल मिलाकर, भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं बल्कि यह उन लाखों लोगों का साझा मंच है, जो भारत के सपनों, संभावनाओं, उद्यमिता, नवाचार और सांस्कृतिक गौरव को साथ लेकर चलते हैं।

अपनी सोच खुद बदले तो दुनिया बदल जाएगी

संजय गोस्वामी

हम आपकी सोच बदलना नहीं चाहते, बल्कि आपको यूनिवर्स के हमेशा रहने वाले नियमों के बारे में बताना चाहते हैं, ताकि आप वो बन सकें जो आप बनने आए हैं। क्योंकि कोई और आपके लिए ये अनुभव नहीं ला सकता की आखिर परमात्मा है क्या । आपको यह खुद करना होगा। हम यहां आपको किसी भी चीज़ पर यकीन दिलाने नहीं आए हैं; क्योंकि आप किसी भी ऐसी चीज़ पर यकीन नहीं कर सकते जिस पर हम आपकी बात से सहमत न हों। जब हम इस शानदार फिजिकल दुनिया, पृथ्वी को देखते हैं, तो हमें यहां बहुत सारी अलग-अलग चीज़ें दिखती हैं, और इस सारी अलग-अलग चीज़ों में एक बैलेंस है। हम आपको ये यूनिवर्सल नियम बहुत आसान तरीके से समझाएंगे। इसके अलावा, हम आपको प्रैक्टिकल स्टेप्स भी दिखाएंगे जो आप इन नियमों का इस्तेमाल करके जो कुछ भी पाना चाहते हैं, उसे पाने के लिए उठा सकते हैं। हालांकि हम जानते हैं कि आप इस क्रिएटिव कंट्रोल को सीखकर जल्द ही अपनी ज़िंदगी के अनुभव खोज लेंगे, हम जानते हैं कि आपके लिए सबसे ज़रूरी चीज़ वह आज़ादी होगी जो आपको एक्सेप्टेंस की कला का इस्तेमाल करना सीखने के बाद मिलेगी। सबसे अच्छी बात यह है कि आप यह सब पहले से ही जानते हैं। हमारा काम बस आपको यह सब फिर से याद दिलाना है। अंदर से, आप इससे पहले से ही वाकिफ हैं। हमें उम्मीद है कि जब आप ये शब्द पढ़ेंगे, तो आपको पता चलेगा कि अगर आप चाहें तो अपने असली रूप को पहचानने के लिए स्टेप-बाय-स्टेप गाइडेंस पाने की ज़रूरत है। हम चाहते हैं कि आप दुनिया में अपनी असलियत को फिर से समझें, क्योंकि यह उन सभी विचारों का सेंटर है जो अपने हर विचार, शब्द और काम से यूनिवर्स पर असर डालते हैं। आप सिर्फ़ अपने होने को घटना को बचाने की कोशिश करने वाले जीव नहीं हैं, बल्कि बनाने वाले हैं, और इस यूनिवर्स की सभी ताकतें आपके नहीं किसके कंट्रोल में हैं। हम चाहते हैं कि आप अपनी अहमियत को पहचानें। इसे न समझने पर आप उस विरासत से दूर हो जाएंगे जो हम आपको देते हैंः तीन हमेशा रहने वाले यूनिवर्सल नियम, जिन्हें हम आपको अच्छी तरह समझाना चाहते हैं, ताकि आप अपनी ज़िंदगी के फिजिकल बिहेवियर में पूरी उम्मीद, इमोशन और सैटिस्फैक्शन के साथ उनका इस्तेमाल कर सकें। लॉ ऑफ़ अट्रैक्शन इन नियमों में से पहला है। अगर आप इस लॉ ऑफ़ अट्रैक्शन को अच्छे से नहीं समझते या इस्तेमाल नहीं करते हैं, तो आप सेकंड लॉ, यानी होश में बनाने का साइंस, या थर्ड लॉ, यानी एक्सेप्टेंस की कला का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। सेकंड लॉ को समझने और इस्तेमाल करने से पहले आपको फर्स्ट लॉ को अच्छी तरह समझना और इस्तेमाल करना होगा। इसी तरह, तीसरे लॉ को समझने और इस्तेमाल करने से पहले आपको दूसरे लॉ को समझना और इस्तेमाल करना होगा। इस पहले लॉ को लॉ ऑफ़ अट्रैक्शन कहते हैं। जो चीज़ें एक जैसी होती हैं, वे अट्रैक्ट होती हैं। भले ही यह बहुत आसान लगे, लेकिन यह यूनिवर्स का सबसे पावरफुल लॉ है। एक ऐसा लॉ जो हर समय सभी चीज़ों पर लागू होता है। ऐसा कुछ भी नहीं है जो इस पावरफुल लॉ से बचा हो। दूसरा लॉ, कॉन्शस क्रिएशन का साइंस, कहता हैः "मैं उस बारे में सोचता हूँ जिस पर मुझे विश्वास है या जिसे पाने की उम्मीद है।" शॉर्ट में, आप जो भी सोचते हैं, वह आपको मिलता है, चाहे आपको वह पसंद हो या न हो। कॉन्शस क्रिएशन का साइंस असल में आपके विचारों का कॉन्शस इस्तेमाल है। अगर आप इस रूल को बिना समझे इस्तेमाल करते हैं, तो आप इसे अपने आप बना लेंगे। तीसरा रूल, एक्सेप्टेंस की कला, कहता है—मैं जैसा हूँ वैसा ही एक्सेप्ट करता हूँ, और मैं बाकी सभी को वैसे ही एक्सेप्ट करता हूँ जैसे वे हैं। जब आप दूसरों को उनकी अभी की हालत में एक्सेप्ट करते हैं, तो आप एक्सेप्टर बन जाएँगे, भले ही वे ऐसा न करें। लेकिन आप इस पॉइंट तक तब तक नहीं पहुँच सकते जब तक आप यह नहीं समझ लेते कि आप जो कुछ भी पा रहे हैं, उसे आप किसे दे रहे हैं। जब आप यह समझ जाते हैं कि कोई दूसरा इंसान आपके अनुभव का हिस्सा तब तक नहीं बन सकता जब तक आप उन्हें अपने विचारों (या अपने ध्यान) से न बुलाएँ। इसी तरह, सभी हालात आपके अनुभव का हिस्सा तभी बन सकते हैं जब आप उन्हें अपने विचारों (या अपने ऑब्ज़र्वेशन) से बुलाएँ। भगवान श्री राम ही सर्व शक्तिमान हैं क्योंकि उनमें जोड़ने की अद्भुत कला है जैसे लंका तक जाने के लिए भगवान श्री राम का नाम लिखकर नल औऱ नील ने उस पत्थर में समुद्र में जैसे ही फेंका पत्थर आपस में जुड़ने लगी ऐ है राम के नाम की ताकत के बारे में बात कर रहा हूँ आइज़ैक न्यूटन का बनाया हुआ ग्रेविटेशनल फ़ोर्स का नियम कहता है कि यूनिवर्स में हर चीज़ दूसरी चीज़ को एक ऐसे फ़ोर्स से अट्रैक्ट करती है जो उनके मास के प्रोडक्ट के डायरेक्टली प्रोपोर्शनल और उनके सेंटर के बीच की दूरी के स्क्वायर के इनवर्सली प्रोपोर्शनल होता है। यह फ़ोर्स अट्रैक्टिव होता है और दो चीज़ों के सेंटर को जोड़ने वाली लाइन के साथ काम करता है। मैथमेटिकल फ़ॉर्मूला फ़ॉर्मूलाः ग्रेविटेशनल फ़ोर्स के आइज़ैक न्यूटन का बनाया हुआ ग्रेविटेशनल फ़ोर्स का नियम कहता है कि यूनिवर्स में हर चीज़ दूसरी चीज़ को एक ऐसे फ़ोर्स से अट्रैक्ट करती है जो उनके मास के प्रोडक्ट के डायरेक्टली प्रोपोर्शनल और उनके सेंटर के बीच की दूरी के स्क्वायर के इनवर्सली प्रोपोर्शनल होता है। यह फ़ोर्स अट्रैक्टिव होता है और दो चीज़ों के सेंटर को जोड़ने वाली लाइन के साथ काम करता है। मैथमेटिकल फ़ॉर्मूला फ़ॉर्मूलाः ग्रेविटेशनल फ़ोर्स फ़ॉर्मूले का इस्तेमाल करके कैलकुलेट किया जाता है। : यह यूनिवर्सल ग्रेविटेशनल कॉन्स्टेंट है, जिसकी वैल्यू लगभग 6.6743 × 10-11 है।जो लगभग शून्य के करीब है अतः ऐ बड़े बड़े मास जो किसी ग्रह पर हो लगते हैं औरः ये दो चीज़ों के मास को दिखाते हैं। : यह दो चीज़ों के सेंटर के बीच की दूरी है। मुख्य सिद्धांत मास पर डिपेंडेंसः फ़ोर्स मास के प्रोडक्ट के डायरेक्टली प्रोपोर्शनल होता है। अगर आप एक चीज़ का मास दोगुना करते हैं, तो ग्रेविटेशनल फ़ोर्स दोगुना हो जाता है। अगर आप दोनों मास को दोगुना करते हैं, तो फ़ोर्स चार गुना ज़्यादा मज़बूत हो जाता है। दूरी पर डिपेंडेंसः फ़ोर्स दूरी के स्क्वायर के इनवर्सली प्रोपोर्शनल होता है। अगर दो चीज़ों के बीच की दूरी दोगुनी हो जाती है, तो ग्रेविटेशनल फ़ोर्स अपनी असली वैल्यू का एक-चौथाई रह जाता है।

अजित पवार का विवादित बयानों से महायुती गठबंधन के अंदर देखी जा रही है असहजता

अजीत पवार के विवादित बयान पर विपक्ष ने उठाए चुनाव आयोग पर सवाल, क्या यह आचार संहिता का उल्लंघन नहीं ?

तरूण मित्र, श्यामजी मिश्रा,

मुंबई। "तुलसीदास जी ने लिखा है कि सठ सुधरहिं सत् संगति पाई" । "सठ या मूढ़-महामूर्ख भी संतों या सज्जनों की संगत में सुधर जाता है। मगर वे भूल गए कि भारत में बड़ा मुश्किल है" । यहां दलाल, मजदूर, गुलाम बहुत मिलेंगे। ईमानदारी प्रामाणिक बहुत कम। और जो थोड़े मिलेंगे वे भी अपने मालिक होने के अहंकार में जीते हैं। अपनी सीढ़ी गिरा देते हैं ताकि दूसरे न चढ़ सकें। जबसे राष्ट्रवादी कॉंग्रेस पार्टी के अध्यक्ष अजीत पवार महायुती गठबंधन में शामिल हुए हैं, तबसे उनका कोई न कोई विवादित बयान गठबंधन के अंदर शामिल पार्टियां असहज महसूस करने लगती है। पहले ऐसा लग रहा था कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष व महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, भाजपा के साथ गठबंधन करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मूल सिद्धांतों और विचारधारा के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से गठबंधन का फर्ज निभायेंगे। परंतु इन्होंने शायद ठान लिया है कि हम डूबेंगे सनम तुम्हें भी लेकर डूबेंगे। अब वर्तमान समय में अजित पवार ने फिर एक बार विवादास्पद बयान देकर राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। वैसे देखा जाए तो अजित पवार के विवादास्पद बयानों का एक पुराना इतिहास रहा है। सितंबर 2025 में अवैध खनन पर कार्रवाई कर रही एक महिला पुलिस अधिकारी को एनसीपी कार्यकर्ता ने फोन थमाया था तो अजित पवार ने फोन पर कहा था, 'मैं तेरे ऊपर एक्शन लूंगा, तुझे मुझे देखना है न। अपना नंबर दे या वाट्सअप कर। मेरा चेहरा तो तुझे समझ आएगा न। इतना दबंग बन गई हो। ' उसके बाद उन्होंने वीडियो कॉल किया और कार्रवाई रोकने को कहा। बाद में सफाई दी कि वे धमकी नहीं दे रहे थे, बल्कि स्थिति को बिगड़ने से रोक रहे थे। इसी वर्ष 2025 में बारामती विधानसभा क्षेत्र में जनसभा में लोगों ने ज्ञापन सौंपा तो नाराज अजित पवार ने कहा था, 'तुमने मुझे वोट दिया, इसका मतलब मैं तुम्हारा गुलाम नहीं हूं।'

इससे पहले भी अजीत पवार ने 2013 में एक विवादित बयान दिया था। सूखा प्रभावित क्षेत्र में जब किसान आंदोलन कर रहे थे और वे दो महीने से भूख हड़ताल पर बैठे थे तो सोलापुर के एक किसान का मजाक उड़ाते हुए अजित पवार ने कहा था, '55 दिन से हड़ताल कर रहे हो, बांध से पानी छोड़ने को कह रहे हो। पानी कहां से लाएं ? क्या हम पेशाब करें ? और जब पीने को पानी नहीं है तो पेशाब करना भी मुश्किल हो रहा है।' और अब मालेगांव सहित महाराष्ट्र के कई नगर पंचायतों के लिए चुनाव 2 दिसंबर 2025 को होने वाले हैं, तो मतदान से ठीक 10 दिन पहले अजित पवार का यह बयान चुनावी माहौल को पूरी तरह गरमा दिया है। विपक्ष अब इस मुद्दे को पूरे राज्य में ले जाने की तैयारी कर रहा है, वहीं महायुती गठबंधन के अंदर भी इस बयान से असहजता देखी जा रही है। चुनाव प्रचार के दौरान अजित पवार ने मतदाताओं से साफ-साफ कहा कि अगर उनकी पार्टी के सभी 18 उम्मीदवार जीतकर नहीं आए तो वे इलाके के लिए घोषित फंड रोक देंगे। उनके इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। वह बारामती तहसील के मालेगांव नगर पंचायत चुनाव के प्रचार के दौरान हाल ही में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। अजित पवार ने चुनावी सभा में कहा, "केंद्र और राज्य सरकार के पास कई योजनाएं हैं। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री मिलकर इन योजनाओं को लागू कर रहे हैं। अगर हम सब मिलकर काम करें तो मालेगांव का विकास हो सकता है। मैं वित्त मंत्री हूं। अगर आप एनसीपी के सभी 18 उम्मीदवारों को जिताएंगे तो मैं फंड की कोई कमी नहीं होने दूंगा। जितनी घोषणाएं मैंने की हैं, सब पूरी करूंगा। लेकिन अगर आप मेरे उम्मीदवारों को 'काटोगे' तो मैं भी फंड्स 'काट' दूंगा। आपके पास वोट की ताकत है, मेरे पास फंड छोड़ने की ताकत है। अब आप तय करो कि क्या करना है।" वहीं अब अजित पवार के इस विवादित बयान पर कि "आपके पास वोट हैं, तो मेरे पास फंड हैं" पर विपक्ष ने चुनाव आयोग की निष्क्रियता पर सवाल उठाए। क्या यह आचार संहिता का उल्लंघन नहीं है ? विपक्ष ने अजित पवार के इस बयान को मतदाताओं को खुली धमकी करार दिया है और चुनाव आयोग से तुरंत कार्रवाई की मांग की है। शिवसेना यूबीटी के नेता और विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे ने पीटीआई से कहा, 'जनता के टैक्स से आने वाला पैसा है, अजित पवार के घर का नहीं। अगर इतने बड़े नेता मतदाताओं को धमका रहे हैं तो चुनाव आयोग सो क्यों रहा है ? यह आदर्श आचार संहिता का खुला उल्लंघन है।' वहीं कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार गुट) ने भी इस बयान की कड़ी निंदा की है। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल ने महायुति गठबंधन में बढ़ती अनबन का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी और उसके साथियों के बीच 'गैंग वॉर' चल रहा है और राज्य सरकार पर दिल्ली से निर्देश लेने का आरोप लगाया। सपकाल ने यह भी आरोप लगाया कि पवार पुणे जमीन डील केस में अपने बेटे पार्थ पवार को क्लीन चिट दिलाने के लिए नेशनल कैपिटल पहुंचे थे।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश को तोहफ़ाः रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बड़ौत से दो मेमू ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

- लंबी मांग पूरी हुई, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली-शामली के बीच नई दोहरी लाइन की घोषणा की
- ये मेमू ट्रेनें छात्रों और पेशेवरों के लिए बेहतर यात्रा विकल्प प्रदान करेंगी, कनेक्टिविटी में सुधार करेंगी और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देंगी

तरूण मित्र, बड़ौत।

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने दिनांक 24 नवम्बर, 2025 को बड़ौत स्टेशन पर दिल्ली और शामली के बीच दो नई मेमू ट्रेन सेवाओं का हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर बागपत के सांसद राजकुमार सांगवान, पूर्व सांसद डॉक्टर सत्यपाल सिंह, विधान परिषद के सदस्य मोहित बेनीवाल, विधानसभा के सदस्य कृष्ण पाल मालिक तथा बड़ौत नगर पालिका की चेयरपर्सन बबीता तोमर की उपस्थिति रहीं। विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, " प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन में भारतीय रेल यात्रियों की बेहतर सेवा के लिए लगातार प्रयास कर रही है। दिल्ली और शामली के बीच दो नई मेमू सेवाओं के प्रारंभ होने से इस क्षेत्र के डेली पैसेंजर्स, छात्र, किसान और प्रोफेशनल्स को बेहतर मोबिलिटी का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि शामली स्टेशन को 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत 25 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक और विश्वस्तरीय बनाया जा रहा है शामली-बागपत क्षेत्र की एक लंबे समय से लंबित मांग आज दो नई मेमू ट्रेनों के उद्घाटन के साथ पूरी हो रही है। ये ट्रेनें इस क्षेत्र के लोगों के लिए यात्रा को आसान बना देंगी।"

रेल मंत्री वैष्णव द्वारा दिल्ली-शामली खंड के दोहरीकरण की घोषणा के समय, बड़ौत स्टेशन पर उपस्थित विशाल जनसमूह ने तालियाँ बजाकर इसका स्वागत किया। मंच पर उपस्थित नेताओं ने क्षेत्र की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करने के लिए श्री अश्विनी वैष्णव का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने ने कहा कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2014 के बाद 5272 किलोमीटर नए ट्रैक बनाए गए हैं जो स्विट्जरलैंड के कुल रेल नेटवर्क के बराबर है। उत्तर प्रदेश में रेलवे लाइनों का शत-प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन किया जा चुका है। इसके अलावा वर्ष 2014 के बाद उत्तर प्रदेश में 1460 फ्लाईओवर तथा रोड अंडर ब्रिज बनाए गए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न स्टेशनों पर 154 लिफ्ट और 156 एस्केलेटर लगाए गए हैं, 771 स्टेशनों पर वाईफाई की सुविधा प्रदान की गई है। उत्तर प्रदेश में अभी 34 वंदे भारत एक्सप्रेस और 26 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

अग्रवाल दिगंबर जैन संस्था का वार्षिकोत्सव व कवि सम्मेलन सम्पन्न

मालाड/मुंबई

अग्रवाल दिगंबर जैन संस्था का वार्षिकोत्सव डी जे खेतान आडिटोरियम मालाड मुंबई में धूमधाम से संपन्न हुआ। संस्था के अध्यक्ष अतुल कुमार जैन ने संस्था द्वारा किए गए कार्यों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। यह संस्था समाज के उत्थान, विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय, लोगों में जैन धर्म के प्रचार-प्रसार व महत्व को बढ़ाने का काम करती है। इस अवसर पर एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें हास्य सम्राट सुरेश मिश्र के संचालन में महेश दूबे, लाफ्टर चैंपियन फेम गौरव शर्मा, शायरा व अभिनेत्री लता हया,व राना तबस्सुम ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री व विधायिका श्रीमती विद्या ठाकुर, वरिष्ठ भाजपा नेता जयप्रकाश ठाकुर, एचपीसी के पूर्व चेयरमैन शशिकांत जैन सहित समाज के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित थे। समारोह को सफल बनाने में आशीष जैन, श्रीमती नेहा जैन, गोपाल जैन, रीता जैन, सीमा जैन, मयंक जैन, प्रवीण जैन, रमेश जैन ने अथक प्रयास किया।संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन संस्था के महामंत्री शरद जैन ने किया। आशीष जैन ने मेहमानों का स्वागत किया। अंत में अतुल जैन ने सबके प्रति आभार व्यक्त किया।

राज्य में 100 घंटे में देश विरोधी अपराधों में शामिल 31,840 आरोपियों का वेरिफिकेशन, डीजीपी ने दी जानकारी

तरूण मित्र ब्यूरो

गुजरात। गुजरात पुलिस ने पूरे राज्य में 100 घंटे तक चले एक खास चेकिंग ड्राइव में पिछले 30 सालों में देश विरोधी और गंभीर अपराधों में शामिल आरोपियों की बड़ी जांच पूरी की है। राज्य पुलिस चीफ विकास सहाय के मुताबिक, इस बड़े कैंपेन में कुल 31,840 आरोपियों को सफलतापूर्वक वेरिफाई किया गया है।

इस ड्राइव के तहत, UAPA, TADA, NDPS एक्ट, नकली नोट जैसे गंभीर अपराधों सहित गंभीर और संवेदनशील कानूनों के तहत आरोपियों की डिटेल्स वेरिफाई की गईं। पुलिस ने पिछले 30 सालों के डेटाबेस से इन आरोपियों के रिकॉर्ड चेक किए। उनकी मौजूदा एक्टिविटीज, नौकरी, पता, विदेश यात्रा, संगठन से जुड़ी जानकारी और सोशल बैकग्राउंड समेत सभी डिटेल्स वेरिफाई की गईं। जांच के दौरान, पता चला कि 3,744 आरोपियों ने अपने पते बदल लिए हैं। पुलिस ने कहा है कि इन सभी नए पतों के आधार पर भी चेकिंग की जाएगी। इस खास ड्राइव में पता चला कि 4,506 आरोपी अभी गुजरात राज्य के बाहर रह रहे हैं। राज्य पुलिस चीफ विकास सहाय के मुताबिक, दूसरे फेज में राज्य के बाहर के इन सभी आरोपियों की भी चेकिंग की जाएगी। इनसे जुड़े डोजियर तैयार करने के लिए एक खास SOP तैयार किया गया है, और इसे तेजी से लागू किया जाएगा। इस

बड़ी ड्राइव के ज़रिए गुजरात पुलिस ने साफ कर दिया है कि राज्य में देश विरोधी, नारकोटिक्स, हथियार और आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े किसी भी तत्व पर लगातार नज़र रखी जाएगी और यह चेकिंग आने वाले दिनों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में मदद करेगी।

बम ब्लास्ट के बाद की गई चेकिंग हो चुकी है पूरी : DGP विकास सहाय ने कहा कि गुजरात ATS ने देश विरोधी तत्वों को गिरफ्तार किया था और हथियार और गोला-बारूद जब्त किया था और फिर दिल्ली ब्लास्ट की घटना हुई और उसके बाद हर पुलिस स्टेशन को निर्देश दिया गया था कि पिछले 30 सालों में गिरफ्तार और बुक किए गए सभी देश विरोधी लोगों का एक डेटाबेस बनाया जाए, उनकी जांच की जाए और एक DZIR बनाई जाए। 17 तारीख को फिर से हर थाने को बाकी काम 100 घंटे में पूरा करने का निर्देश दिया गया। चेकिंग में देश विरोधी तत्वों जैसे फेक करेंसी, कैफे सीन, मर्डर केस, डेटा चोरी जैसे गंभीर अपराधों में शामिल अपराधियों की चेकिंग की गई और कुल 31840 लोगों की पहचान की गई जो अपने खिलाफ ऐसे गंभीर अपराधों में शामिल थे। इन आरोपियों की लोकल पुलिस ने जांच की और लोकल पुलिस के जरिए जांच की। चेकिंग में 11880 लोग मौजूद पाए गए, यानी डेटाबेस के हिसाब से मौजूद पाए गए लोगों में से 37 परसेंट लोग, और उनकी मौजूदा गतिविधियों की जांच की गई। 12 परसेंट आरोपी, यानी 3744 आरोपी, जिनके पते बदल गए हैं, उनकी चेकिंग की जा रही है। इनमें से 2326 आज जिंदा नहीं हैं। बम ब्लास्ट के बाद चेकिंग में जो काम हुआ है, वह पूरा हो चुका है और यह असरदार नतीजा देने वाला काम रहा है। आने वाले दिनों में चेकिंग में जिन आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज हैं और जो राज्य से बाहर हैं, जो 14 परसेंट हैं, उनकी चेकिंग की जाएगी।

अगर आंदोलनकारी कानून का उल्लंघन करते हैं तो उनके खिलाफ करें कार्रवाई - उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी

तरूण मित्र ब्यूरो

गुजरात। उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी से राज्य पुलिस प्रशासन को खास निर्देश मिले हैं कि अगर आंदोलनकारी कानून और लिमिट का उल्लंघन करते हैं, तो पुलिस प्रशासन को कानूनी कार्रवाई करनी होगी। अगर कोई पुलिस पुलिस की इज़्ज़त नहीं करता है या संविधान का उल्लंघन करता है, तो उनके खिलाफ कार्रवाई करें। वहीं उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के दिए गए निर्देशों के मुताबिक, हर जिले के पुलिस चीफ को निर्देश दिया गया है कि अगर आंदोलनकारी पुलिस की इज़्ज़त नहीं करते हैं या संविधान का उल्लंघन करते हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई करें और कानूनी कार्रवाई करें। निर्देशों में खास तौर पर इस बात पर ज़ोर दिया गया है कि आंदोलनकारियों की कार्रवाई शांतिपूर्ण होनी चाहिए और कानून का पालन करना चाहिए। हालांकि, अगर लिमिट का उल्लंघन होता है, तो पुलिस को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से शिकायतें आ रही थीं कि प्रदर्शनकारी पुलिस की सीमाओं का सम्मान नहीं कर रहे हैं और इन्हीं शिकायतों के आधार पर उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने निर्देश दिए।

सरोजनीनगर ने बनाया नया कीर्तिमानः "ड्रग्स को कहें ना" और लखनऊ को लाइफ़स्टाइल कैपिटल बनाने का विज़न

तरुणमित्र, दिलीप शुक्ला

लखनऊ उत्तर प्रदेश के सरोजनी नगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में लखनऊ में आयोजित पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर के यूथ कॉन्सर्ट ने संगीत, प्रेरणा और युवा सशक्तिकरण का एक रोमांचक माहौल बना दिया। विश्व-प्रसिद्ध म्यूजिक आइकन यो यो हनी सिंह ने युवाओं को एक मजबूत संदेश दिया—"ड्रग्स को कहें ना।" उन्होंने युवा भारत से अपील की कि वे नशे से दूर रहकर सेहत, रचनात्मकता और सकारात्मकता को अपनाएँ। उनका यह प्रदर्शन मनोरंजन के साथ-साथ एक गहन सामाजिक संदेश भी लेकर आया, जिसने लाखों युवा प्रशंसकों को प्रभावित किया। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए लखनऊ को भारत की लाइफ़स्टाइल कैपिटल बनाने का अपना विज़न प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा,"लखनऊ को भारत का वह अग्रणी शहर बनना चाहिए जहाँ संस्कृति, आत्मविश्वास और आधुनिक जीवनशैली मिलकर भविष्य की दिशा तय करें — जहाँ संगीत, कला, तकनीक और युवा ऊर्जा एक साथ आएँ।"यह कार्यक्रम केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि सामाजिक संदेश और प्रेरणा का एक सशक्त मंच बनकर उभरा।डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा, "लखनऊ अब केवल सभ्यता और संस्कृति का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारत की आधुनिक जीवनशैली की राजधानी बनने जा रहा है।"यह आयोजन उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए एक नए युग की शुरुआत है — प्रेरणा और मनोरंजन का संगम, जो एक जीवंत, नशामुक्त और भविष्य के लिए तैयार युवा पीढ़ी की सोच को दर्शाता है।

पलावा के पास देसाई खाड़ी पुल के नीचे सूटकेस में मिली युवती की लाश, इलाके में सनसनी

तरुणमित्र सारा पुरी

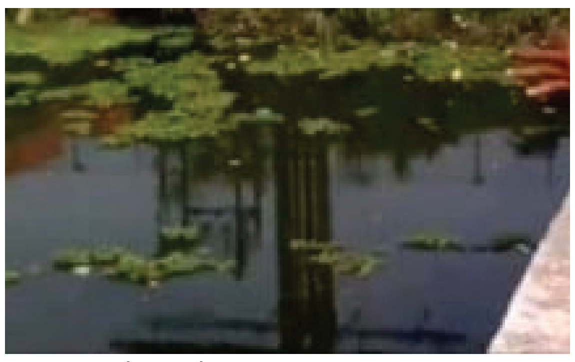

मुंब्रा। कल्याण–शिलफाटा रोड स्थित देसाई खाड़ी पुल के नीचे नदी तट पर सोमवार दोपहर सूटकेस में भरी हुई एक 25 से 30 वर्षीय युवती की लाश मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। पुल से गुजर रहे कुछ पैदल यात्रियों ने यह संदिग्ध सूटकेस देखा और उसकी जानकारी तुरंत मानपाड़ा पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंच गया। प्राथमिक जांच के अनुसार, आशंका जताई जा रही है कि युवती की हत्या किसी घर या अन्य स्थान पर की गई और शव को सूटकेस में डालकर देर रात खाड़ी किनारे लाकर फेंक दिया गया। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में मोटर चालक, दोपहिया और अन्य वाहन रुक-रुककर जानकारी लेने लगे, जिससे पुल के एक लेन पर जाम की स्थिति बन गई। बाद में ट्रैफिक पुलिस ने वाहनों को हटवाकर मार्ग सुचारू कराया, लेकिन फिर भी कई लोग पुल के दोनों किनारों से घटना स्थल को देखते रहे। मानपाड़ा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संदीपान शिंदे, ठाणे और कल्याण क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है। पुलिस ने ठाणे, मुंबई, कल्याण और डोंबिवली क्षेत्र में किसी युवती के लापता होने की शिकायत दर्ज है या नहीं, इसकी तलाश शुरू कर दी है, जिससे मृतक की पहचान और उसके परिजनों का पता लगाया जा सके। शिलफाटा रोड और पलावा क्षेत्र में 24 घंटे भारी यातायात रहता है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आरोपी ने इतनी भीड़भाड़ के बीच सूटकेस लाकर शव कैसे फेंका। पलावा क्षेत्र में हाई-कैपेसिटी सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। पुलिस इन कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि पता लगाया जा सके कि यह सूटकेस किस वाहन में लाया गया था, वाहन किसका है और इस हत्या के पीछे कौन लोग शामिल हैं। फिलहाल, पुलिस ने मामले की प्राथमिक जांच शुरू कर दी है और विभिन्न एंगल पर काम किया जा रहा है।

पंजाब से कंटेनर से भरी ट्रेन के ज़रिए गुजरात में की जा रही शराब तस्करी का भंडाफोड़

- गुजरात पुलिस ने 1.42 करोड़ रुपये की विदेशी शराब की ज़ब्त

तरूण मित्र ब्यूरो

गुजरात। गुजरात में भारत में बनी विदेशी शराब की तस्करी के कई मामले सामने आते हैं। ऐसी भी खबरें आती हैं कि दूसरे राज्यों से राज्य में तस्करी करके लाई गई शराब की मात्रा पुलिस द्वारा जब्त की जा रही है। वहीं पंजाब से रेलवे के ज़रिए गुजरात में तस्करी करके लाई गई शराब की मात्रा का खुलासा हुआ है। स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने 1.42 करोड़ रुपये की शराब जब्त की है। स्टेट मॉनिटरिंग सेल के एसपी मयूर चावड़ा ने बताया कि 22 नवंबर को SMC के PI को पंजाब से शराब की तस्करी किए जाने की सूचना मिली थी। रेलवे के ज़रिए शराब लाए जाने की जानकारी मिली थी। यह भी जानकारी मिली थी कि शराब से भरा एक कंटेनर मुंद्रा पहुंचा है। पुलिस ने सूचना के आधार पर इस कंटेनर को जब्त कर लिया। जिसमें से पुलिस ने 1.42 करोड़ रुपये की विदेशी शराब जब्त की। उन्होंने आगे बताया कि खेप बालाजी ट्रेडिंग कंपनी के नाम पर भेजी गई थी जिसमें बोतलों पर टैग नहीं लगा था। दूसरा कंटेनर 23 नवंबर को पकड़ा गया था। शराब से भरे सात से आठ कंटेनर पंजाब से गुजरात भेजे गए थे। कच्छ के बूटलेगर अनूप सिंह के आदमी इसे चला रहे थे। यह भी जांच की गई है कि क्या अनूप सिंह जेल से शराब का धंधा चला रहा है। कस्टम और रेलवे की टीमें भी जांच में शामिल हो गई हैं।

संक्षिप्त समाचार

टायर की हवा जांचने के लिए रुके वाहन में घुसा मिनी ट्रक, एक की मौत

औरैया, एजेंसी। औरैया जिले में रविवार रात 2.30 बजे कानपुर-इटावा हाईवे पर टायर का हवा चेक करने के लिए चालक ने मिनी ट्रक रोक दिया। तभी इटावा की ओर से आ रहा दूसरा मिनी ट्रक जा भिड़ा। चालक के बगल में बैठी कानपुर देहात निवासी युवक की मौत हो गई। घटना पता लगते ही चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। वाहनों को क्रेन से किनारे कराया गया। हादसा जनेतपुर गांव सुदिति ग्लोबल स्कूल के सामने हुआ। मध्य प्रदेश प्रांत के भिंड जनपद अमाइन निवासी चालक अर्पित सिंह पुत्र प्रमेश सिंह चौहान जनेतपुर गांव के सामने हाईवे किनारे गाड़ी को खड़ा करके टायर की हवा जांच रहा था। पीछे से आ रहा मिनी ट्रक वाहन से टकरा गया। चालक वाहन को छोड़कर भाग गया और बैठी सवारी योगेंद्र सिंह (37) निवासी गांव कसोलर थाना मंगलपुर जिला कानपुर देहात की मौत हो गई।

गंगा में 19 किलोमीटर के दायरे से हटाए जाएंगे बड़े पत्थर, मालवाहक व क्रूज के संचालन होंगे आसान

वाराणसी, एजेंसी। जल परिवहन में गाजीपुर से बनारस के

बीच 19 किमी तक बड़े पत्थर बाधक बने हुए हैं। इसकी वजह से गंगा में मालवाहक और क्रूज का संचालन नहीं हो पा रहा है। गंगा किनारे बसे इस शहर में कोलकाता से लेकर हल्दिया तक और अन्य जगहों से भी बड़े-बड़े जल वाहनों को लाना आसान है। इन बड़े पत्थरों व अन्य अवरोध को हटाने के लिए भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण के मुख्याल में निविदा प्रक्रिया शुरू हो गई है। जल्द ही इस पर काम शुरू होगा। रामनगर में करीब 184 करोड़ रुपये की लागत से साल 2018 में बनकर तैयार हुए बंदरगाह को आज भी बड़े जहाजों का इंतजार रहता है। इसकी बड़ी वजह गंगा में पानी की कमी और गाजीपुर से बनारस के बीच 19 किलोमीटर तक बड़े पत्थर व अवरोध हैं। यह बड़े जहाजों को बनारस आने से रोक रहे हैं। इसकी वजह से 6 साल में महज 6 मालमाहक जहाज ही वाराणसी पहुंच सके हैं। आईडब्ल्यूएआई के अधिकारियों के अनुसार दिक्कत यह है कि गाजीपुर से बनारस के बीच लगभग 19 किलोमीटर का एरिया बेहद ही डेंजर जोन में है। अधिकारियों ने बताया कि जब नदी में पानी कम हो जाता है तो बालू भी ऊपर आने लगता है। बालू का खनन तो कराया जा सकता है लेकिन पत्थर के जो बड़े-बड़े टुकड़े आ रहे हैं, उनको हटाना ज्यादा महत्वपूर्ण है। विस्फोट या कटर के जरिये ही उन्हें काटकर अलग किया जा सकता है। आईडब्ल्यूएआई वाराणसी के निदेशक संजीव कुमार ने बताया कि दिल्ली मुख्यालय से इन पत्थरों को हटाने के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू है। जल्द ही इस पर काम शुरू होगा।

यूपी में दूल्हे की मौत: हाईवे पर सुबोध की ऐसे आई मौत; चढ़त से पहले अचानक हुई थी तबीयत खराब

मेरठ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले से दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां चढ़त से पहले दूल्हे की मौत हो गई। शादी की खुशियां मातम में बदल गई। पुलिस ने दूल्हे के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सरूरपुरकलां गांव में रविवार रात को चढ़त से पहले दूल्हे सुबोध (25) निवासी बिनौली को ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। वह तबीयत खराब होने पर दिल्ली-सहारनपुर नेशनल हाईवे किनारे खड़े होकर उल्टी कर रहा था, तभी यह हादसा हुआ। उसे टक्कर मारने के बाद चालक ट्रक को लेकर भाग गया। बिनौली गांव के फिजियोथैरेपिस्ट सुबोध की बरात रविवार को सरूरपुरकलां गांव में आई थी। बरात के स्वागत व नाश्ते के बाद चढ़त की तैयारी होने लगी। चढ़त शुरू होने से पहले दूल्हे सुबोध की तबीयत खराब हो गई और वह सड़क किनारे खड़ा होकर उल्टी करने लगा। तभी दिल्ली की तरफ से आए ट्रक ने सुबोध को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से सुबोध सड़क पर गिर गया। तभी बराती उसे जिला अस्पताल लेकर जाने लगे मगर उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना पर पुलिस वहां आई और घटना की जानकारी ली गई। जांच अधिकारी दीक्षित त्यागी के अनुसार ट्रक का पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी जाएगी, जिससे उसको पकड़ा जा सके। सुबोध की चढ़त की तैयारी चल रही थी और बराती खुशी मना रहे थे, दुल्हन के घर भी खुशियां मनाई जा रहीं थीं। हादसे का पता चलते ही दोनों घरों में मातम छा गया। अस्पताल पहुंचे कई बरातियों ने बताया कि हादसे में सुबोध की मौत का काफी बरातियों को पता ही नहीं था और सभी खुशियां मनाने में लगे थे। जिनको मौत के बारे में बताया भी गया तो उनको शुरूआत में विश्वास नहीं हुआ।

राम मंदिर ध्वजारोहण: हनुमानगढ़ी दर्शन करने नहीं जाएंगे पीएम मोदी, कार्यक्रम में किया गया आंशिक बदलाव

अयोध्या, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले रामनगरी का हर मोड़, मंदिर-मार्ग और घर-आंगन दिव्यता से झिलमिला उठा है। कार्यक्रम में आंशिक बदलाव के चलते पीएम मोदी इस बार हनुमानगढ़ी दर्शन करने नहीं जाएंगे। ध्वजारोहण समारोह राम मंदिर की पूर्णता का संदेश है और मंदिर में राजाराम भी विराजित हो गए हैं। ऐसे में राजाराम के स्वागत को लेकर रामनगरी वैसे ही सजधज रही है जैसे राम आगमन पर अवधपुरी निखरी होगी।

हनुमानगढ़ी के पुजारी रमेश दास ने बताया कि हनुमानगढ़ी में पीएम के आगमन की कोई सूचना नहीं है, पहले उन्हें हनुमानगढ़ी दर्शन के लिए आना था। उधर राम मंदिर परिसर में मेहमानों के बैठने के लिए बनाए गए ब्लॉकों की संख्या 15 से बढ़ाकर 19 कर दी गई है।

रविवार को हर एक ब्लॉक में कुर्सियां लगाने का काम चलता रहा। मेहमानों को प्रवेशिका भी दी जाने लगी है, इस पर अंकित क्यूआरकोड को स्कैन करने के बाद उनकी पहचान होगी, फिर उन्हें मंदिर में प्रवेश मिलेगा। मेहमानों का आगमन सोमवार से शुरू हो जाएगा। कारसेवक पुरम व तीर्थ क्षेत्र पुरम में मेहमानों की सुविधा के लिए कार्यालय भी खोल दिए गए हैं। अवध, काशी, गोरक्ष व कानपुर प्रांत के अलग-अलग कार्यालय बनाए गए हैं।

मेहमानों को इन कार्यालयों से हर जरूरी जानकारी व सुविधा के लिए मार्ग दर्शन प्राप्त होगा। वहीं राम मंदिर ट्रस्ट की ओर आठ स्थानों पर सात भोजनालय का शुभारंभ भी रविवार से हो गया है।

अंगद टीला पर संचालित सीता रसोई में रामलला का प्रसाद पाकर श्रद्धालु तृप्त हो रहे हैं। राम मंदिर में रविवार रात लेजर शो का रिहर्सल भी किया गया। मंदिर के शिखर से लेकर मंडपों पर लेजर शो के जरिये राम विवाह के दृश्य दर्शाए गए।

विदेशी फूलों से दमक रहा राम मंदिर

राम मंदिर अभी ऐसा लग रहा है मानो स्वर्ग की बगिया धरती पर उतर आई हो। थाईलैंड, वियतनाम आदि देशों से आए दुर्लभ पुष्पों की सुगंध से प्रांगण दिव्यमय हो उठा है। गुलाबी और सफेद लिलियम, आर्किड की मोहक पंखुड़ियां, ट्यूलिप के कोमल रंग, स्टार, दहेलिया आदि मिलकर मंदिर को एक भव्य आभा दे रहे हैं।

राम मंदिर परिसर को सजाने में 50 क्विंटल व आद्य शंकराचार्य द्वार, रामानंदाचार्य द्वार, माध्वाचार्य द्वार को सजाने में कुल 30 क्विंटल फूलों का प्रयोग किया गया है। पूरे मंदिर परिसर को सजाने में 80 क्विंटल देशी-विदेशी फूलों का प्रयोग हुआ है।

कई समाज के प्रतिनिधि होंगे शामिल

ध्वजारोहण समारोह के लिए संघ ने पूरी ताकत झोंक दी है। मैराथन बैठकों का दौर जारी है। रविवार को भी राममंदिर के यात्री सुविधा केंद्र में बैठक हुई। बैठक में जिन समाज के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं उसकी भी जानकारी दी गई।

इनमें कहार, बारी, बक्सोर, नाई, कुम्हार, गड़ेरिया, लोधी, यादव, माली, धोबी, लोहार, तमोली, पासी, वाल्मीकि, रविदास, बहेलिया, कसौधन, नट, कुर्मी, सिख और अन्य समुदायों के प्रतिनिधि शामिल हैं। इसके अलावा मुस्लिम, सिख व जैन धर्म से भी मेहमान आमंत्रित हैं।

पीएम करेंगे रोड शो, समूहों की 5 हजार महिलाएं करेंगी अगवानी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराकर ध्वजारोहण समारोह का शुभारंभ करेंगे। उनका एयरपोर्ट से साकेत महाविद्यालय तक हेलीकॉप्टर से पहुंचना प्रस्तावित है। साकेत महाविद्यालय से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक भव्य रोड शो भी आयोजित होगा। रोड शो के एक किमी लंबे रामपथ को आठ जोन में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं पारंपरिक तरीके से थाली, आरती, फूल-माला और नमस्कार मुद्रा के साथ पीएम की अगवानी करेंगी। जिला प्रशासन ने इसके लिए अलग-अलग समाज और समूहों की महिलाओं को जिम्मेदारी सौंपी है। जोनवार व्यवस्था के तहत जोन-एक में एसडीएम श्रेया की निगरानी में 150 महिलाएं, जोन-दो (पीएचसी चक्रतीर्थ के पास) एसडीएम गजेंद्र सिंह की देखरेख में 200 महिलाएं, जोन-तीन में निषाद समाज की 300 महिलाएं, जोन-चार (अरुंधती पार्किंग के पास) 1200 महिलाएं, जोन-पांच (सारा इंटरप्राइजेज प्लॉट) पर 300 महिलाएं, जोन-छह (दर्शन सेल) पर 1000 महिलाएं, जोन-सात (यूसुफ आरा मशीन) पर 300 महिलाएं व जोन-आठ (खटीक समाज की भूमि) पर 1500 महिलाएं स्वागत के लिए तैनात रहेंगी। जोनवार जिम्मेदारी भी तय कर दी गई है। जोन एक व दो की जिम्मेदारी डीडीओ महेंद्र देव, जोन तीन व चार की डीआईओएस डॉ. पवन तिवारी, जोन पांच व छह की बेसिक शिक्षा अधिकारी लाल चंद्र व डीपीओ अजय त्रिपाठी और जोन सात व आठ की जिम्मेदारी डीपीआरओ अविनाश कुमार को सौंपी गई है। सभी अधिकारी लगातार रिहर्सल और तैयारियों की मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

राम मंदिर में ध्वजारोहण: आयोजन के बाद मोदी करेंगे रोड शो; 5 हजार महिलाएं करेंगी अगवानी

प्रधानमंत्री के स्वागत व अभिनंदन की तैयारियों के लिए भाजपा का संपर्क व संवाद अभियान जारी है। ध्वजारोहण समारोह के आयोजन को अद्वितीय स्वरूप देने के लिए हजारों संतों की मौजूदगी सुनिश्चित की जा रही है। संतों की ओर से वैदिक मंत्रोच्चारण, शंखनाद और घंटों की ध्वनि से प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया जाएगा। इसी कड़ी में अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्त और भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने रंगमहल मंदिर पहुंच कर महंत रामशरण दास से मुलाकात की। अन्य प्रमुख मंदिरों के महंतों व संतों से भी संपर्क कर उन्हें स्वागत-अभिनंदन कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। इसमें जगन्नाथ मंदिर व अमांवा मंदिर के संत शामिल हैं। संतों के साथ हर प्रतिष्ठान पर जाकर विधायक व महानगर अध्यक्ष ने व्यापारियों से संपर्क स्थापित किया।

विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री का आगमन रामनगरी के लिए सौभाग्य और गौरव का अवसर है। उनका स्वागत अयोध्या की आध्यात्मिक गरिमा और परंपरा के अनुरूप भव्य करने की तैयारी की जा रही है। हजारों संतों की उपस्थिति इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाएगी। अभिनंदन कार्यक्रम के दौरान अयोध्या की सनातन संस्कृति की दिव्यता प्रधानमंत्री के समक्ष अपने श्रेष्ठतम रूप में प्रकट होगी। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वागत के दौरान संतों की उपस्थिति के स्थान को चिह्नित कर दिया गया है। भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी भी सौंप दी गई है।

आपको अब तक नहीं मिला फॉर्म... बीएलओ से तत्काल संपर्क करें

लखनऊ, एजेंसी। एसआईआर फॉर्म भरने के लिए अब सिर्फ 10 दिन बाकी हैं। इसलिए जिस किसी को अब तक फॉर्म नहीं मिला या फिर जिसने फॉर्म लेने के बाद भरकर जमा नहीं किया है, वह बिल्कुल भी लापरवाही न बरतें। जल्द से जल्द फॉर्म भरकर बीएलओ के पास वापस जमा कर दें। वहीं, जिनसे बीएलओ ने अब तक संपर्क नहीं किया है, ऐसे मतदाता खुद भी संपर्क कर लें, ताकि उनका फॉर्म भर जाए।

दरअसल, चार नंवबर से एसआईआर फॉर्म भरने की प्रक्रिया जारी है। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों सुविधाएं उपलब्ध हैं, चूंकि अधिकतर मतदाताओं का मोबाइल नंबर वोटर आईडी कार्ड से लिंक नहीं हैं, इसलिए ऑनलाइन फॉर्म भरने में दिक्कत आ रही है। ऐसे सभी लोग ऑफलाइन फॉर्म भर सकते है। 20 दिन से प्रक्रिया जारी है।

प्रशासन के आंकड़ों के मुताबिक, अधिकतर लोगों ने फॉर्म जमा कर दिए हैं। सहायक निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जो मतदाता शेष हैं, उनसे बीएलओ संपर्क कर रहे हैं। इसके बावजूद अगर किसी को फॉर्म नहीं मिला है तो वह खुद बीएलओ से संपर्क करें।

चार दिसंबर तक एसआईआर फॉर्म भरकर जमा करने की प्रक्रिया खत्म हो जाएगी। 9 दिसंबर को मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। जो मतदाता फॉर्म नहीं भरेंगे, उनका नाम सूची में नहीं होगा। एसआईआर फॉर्म, प्रक्रिया या फिर बीएलओ संबंधी कोई जानकारी चाहिए हो तो 0522-1950 हेल्पलाइन पर कॉल कर सकते हैं।

हर दिन हो रही समीक्षा: राजधानी में कुल मतदाता 39 लाख 94 हजार 535 हैं। 3,783 बीएलओ हैं। हैं। सभी प्रशासनिक अधिकारी एसआईआर प्रक्रिया में लगे हैं। प्रत्येक दिन समीक्षा की जा रही है कि कितने फॉर्म बांटे गए, कितने भरकर जमा किए गए और कितनों का डाटा फीड किया गया। डीएम विशाख जी ने सभी बीएलओ को निर्देश दिए हैं कि एक-एक मतदाता का फॉर्म भरवाएं। कोई भी प्रक्रिया से न छूटे।

ट्रेनों से देशभर में भेजे जा रहे जूते...सीजीएसटी ने पकड़ी कारोबारियों की चालाकी, 16 हजार जोड़ी जब्त

आगरा, एजेंसी। आगरा में बनने वाले जूतों को कारोबारी बिना सरकार को टैक्स दिए फर्जी बिलों के बल पर ट्रेनों के जरिये यूपी के अन्य जिलों व विभिन्न राज्यों में भेज रहे हैं। इस काम को एजेंटों की मदद से किया जा रहा है। इसका खुलासा केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) आगरा की रविवार को की गई कार्रवाई से हुआ।

विभाग की टीम ने कलेक्ट्रेट के नजदीक एक गोदाम से 16 हजार जोड़ी से ज्यादा जूते जब्त किए हैं। टीम अब जूतों के कारोबारियों का पता लगा रही है। सीजीएसटी आगरा की एंटी इवेजन शाखा को सूचना मिली कि फर्जी बिलों के सहारे रेलवे पार्सल सेवा के जरिये देशभर में जूते भेजे जा रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने कलेक्ट्रेट के नजदीक राधा वल्लभ की बगीची स्थित एक गोदाम पर शनिवार रात छापा मारा। रविवार रात तक चली कार्रवाई के दौरान गोदाम से बिना बिल के करीब 16 हजार जोड़ी पैक किए हुए जूते जब्त किए गए। इन जूतों की अनुमानित कीमत करीब सवा करोड़ रुपये है।

सूत्रों के अनुसार गोदाम संचालक अमित सिंह से हुई शुरुआती पूछताछ में पता चला है वह लंबे समय से जीएसटी से बचने के लिए जूतों की खेप फर्जी बिल के सहारे रेलवे पार्सल सेवा के माध्यम से लखनऊ, कानपुर, मेरठ व दिल्ली, पश्चिम बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाट तक भेज रहा है। अब सीजीएसटी पकड़े गए माल के असली मालिक का पता लगा रही है।सूत्रों के अनुसार कार्रवाई के दौरान सीजीएसटी अधिकारियों ने गोदाम से कंप्यूटर, लैपटॉप और एजेंट अमित सिंह के मोबाइल जब्त किए हैं। इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के पूरे डाटा को खंगालकर यह जानने का प्रयास किया जाएगा कि वह कहां और किन लोगों से माल लेकर किन कारोबारियों को सप्लाई करता था। इन उपकरणों की जांच से जूतों की कालाबाजारी के नेटवर्क के राज खुलेंगे।

भागवत और योगी की मुलाकात से सनातनी चेतना के एजेंडे को रफ्तार, दोनों नेताओं के भाषण से मिले संकेत

लखनऊ, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की रविवार को दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव कार्यक्रम के मंच पर मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों के बीच हुई गुफ्तगू और फिर भाषणों में सनातन व हिंदुत्व के जिक्र ने सनातनी चेतना के एजेंडे की भावी दिशा का संकेत दे दिया। भागवत से गुफ्तगू के बाद योगी ने घुसपैठ से लेकर धर्मांतरण पर तीखा निशाना साधा।

इन सबके पीछे छिपे चेहरों को न सिर्फ चेताया बल्कि ललकारा। इन मुद्दों पर सरकार की रीति-नीति में किसी नरमी की संभावनाओं को नकार दिया। उनके तेवर बताते हैं कि यह मुलाकात सनातनी चेतना के एजेंडे को रफ्तार देगी।

सीएम ने घुसपैठियों को वापस उनके देश

भेजने और प्रदेश के हर जिले में अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाने का भी एलान कर दिया। योगी ऐसे सभी एजेंडों पर अधिक मुखरता से बात रख रहे हैं और नरमी के मूड में नहीं दिख रहे हैं। ये वही मुद्दे हैं, जिन पर संघ भी सक्रियता से काम कर रहा है। इसलिए माना जा रहा है कि संघ प्रमुख से सीएम योगी की यह मुलाकात आने वाले समय में इन्हीं एजेंडों को प्रमुखता से आगे बढ़ाएगी।

माना जा रहा है कि राममंदिर पर पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों होने वाले ध्वजारोहण से करीब 48 घंटे पहले राजधानी में संघ प्रमुख से सीएम की मुलाकात में इन एजेंडों पर चर्चा जरूर हुई है। गीता के ज्ञान के सहारे योगी ने साफ कर दिया कि उनकी सरकार सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उस एजेंडे पर गंभीरता से काम करने का संकल्प ले चुकी है जिसका उल्लेख पीएम मोदी ने अयोध्या में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा में किया था। मोदी ने आज से करीब 22 माह पहले जो कुछ कहा था उसकी तैयारी का संकेत आज योगी के भाषण में दिखा।

सभी एजेंडे पूरे करने की तैयारी की मिली झलक

पीएम नरेंद्र मोदी ने तब कहा था कि यह सिर्फ एक मंदिर नहीं बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्र गौरव का प्रतीक है। योगी ने उसी मंदिर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम से पहले जब संघ प्रमुख की मौजूदगी में मिशनरियों की भूमिका पर सवाल उठाया, घुसपैठ खत्म करने का संकल्प जताया, धर्मांतरण पर हमला बोला, सियासी लाभ के लिए देश व समाज को बांटने और बहुसंख्यकों यानी हिंदुओं के हितों पर कुठाराघात करने वालों को न बख्शने की बात की तो साफ हो गया कि सनातनी सरोकारों पर सरकार आगे ज्यादा आक्रामक दिख सकती है। महाभारत और गीता के उल्लेख के साथ योगी ने धर्म और अधर्म के संघर्ष तथा आखिर में धर्म की जीत के उल्लेख के साथ साफ कर दिया कि सरकार अपने एजेंडे को अंजाम तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह कमर कस चुकी है।

हार्दिक पांड्या और महिका की सगाई की अटकलें हुई तेज

मुंबई। हाल ही में सामने आई टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और एक्टर-मॉडल महिका शर्मा की तस्वीरों में इस कपल की बांडिंग देखकर सोशल मीडिया पर अफवाहें चल रही थी। फैंस द्वारा लगाए जा रहे इन कयासों को ताजा तस्वीरों ने और हवा दे दी है। अब फैंस यह पूछते नजर आ रहे हैं कि क्या हार्दिक और महिका ने सगाई कर ली है। दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल हो रही नई तस्वीरों में महिका के हाथ में एक चमकदार रिंग नजर आ रही है। इसी रिंग को देखकर फॉलोअर्स इस निष्कर्ष पर पहुंच रहे हैं कि शायद दोनों ने चुपचाप सगाई कर ली हो। इसके साथ ही हार्दिक ने हाल ही में कई तस्वीरें पोस्ट की थीं, जिनमें उन्होंने कैप्शन लिखा "मेरे 3 बड़े" और इसके साथ ब्लू हार्ट, ओम और क्रिकेट बैट इमोजी का इस्तेमाल

किया। इन पोस्ट्स को भी फैंस उनके रिश्ते से जोड़कर देख रहे हैं। इसके अलावा हार्दिक द्वारा शेयर किया गया एक वीडियो भी चर्चा में है, जिसमें वह महिका के साथ मिलकर पूजा करते दिखाई दे रहे हैं। एक अन्य वीडियो में दोनों साथ में जिम वर्कआउट करते नजर आए। इन लगातार पोस्ट्स से लोगों को उनका रिलेशन और भी पुख्ता नजर आने लगा है। सोशल मीडिया पर यूज़र्स भी जमकर प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक ने कमेंट किया "ऐसा लग रहा है कि दोनों रिलेशनशिप को फ्लॉन्ट कर रहे हैं।" एक अन्य फैन ने लिखा "सगाई हुई है या नहीं पता नहीं, लेकिन दोनों साथ में अच्छे लगते हैं।" वहीं किसी ने कहा "जब महिका ने यह फोटो शेयर की थी, तभी लगा था कि सगाई हो चुकी है।" गौरतलब है कि पिछले साल अक्टूबर में हार्दिक और नताशा स्टैनकोविक अलग हो गए थे। दोनों की शादी 2020 में हुई थी और उनका एक बेटा भी है। नताशा से अलग होने के बाद हार्दिक की जिंदगी में महिका शर्मा की एंट्री हुई और इसी साल अक्टूबर में दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया। तब से दोनों बिना झिझक सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के साथ तस्वीरें और वीडियो साझा करते आ रहे हैं। महिका के हाथ में नजर आती रिंग ने अब फैंस को नई अटकलों में डाल दिया है।

पुरानी फोटो देखकर पूजा भट्ट को लोग समझ बैठे आलिया भट्ट

मुंबई। बालीवुड एक्ट्रेस पूजा भट्ट की सोशल मीडिया पर एक पुरानी फोटो देखकर लोग धोखा खा गए और पहली नजर में लोग इसे आलिया भट्ट समझ बैठे। सोशल मीडिया प्लेटफार्म रेडिट पर शेयर की गई इस तस्वीर ने चर्चा छेड़ दी है कि अगर आलिया अपनी मां सोनी राजदान से मिलती-जुलती हैं, तो फिर पूजा से इतनी समानता कैसे दिख रही है। कई यूज़र्स ने मजाक में यह भी लिखा कि उन्हें अब यह जानने की उत्सुकता है कि पूजा भट्ट की मां आखिर कैसी दिखती थीं, क्योंकि आलिया तो अपनी मां सोनी राजदान की हूबहू प्रतिकृति मानी जाती हैं। तस्वीर पर लोगों की प्रतिक्रियाएं भी दिलचस्प रहीं। एक यूज़र ने लिखा "जब तक मैंने ध्यान से नहीं देखा, लगा कि यह आलिया की ही फोटो है।" दूसरे ने कमेंट किया "सेम सेम, लेकिन थोड़ा डिफरेंट।" वहीं कुछ यूज़र्स ने हंसते हुए सवाल उठाया कि क्या महेश भट्ट को एक जैसी दिखने वाली महिलाएं ही पसंद थीं। पूजा भट्ट, महेश भट्ट की पहली पत्नी लॉरेन ब्राइट (बाद में किरन भट्ट) की बेटी हैं, जबकि आलिया उनकी दूसरी पत्नी सोनी राजदान से

हैं। दोनों बहनों की उम्र में करीब 21 साल का अंतर है, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीर देखकर लोग इस उम्र के फासले को भूल ही गए। दिलचस्प बात है कि 'कॉफी विद करण' में आलिया से एक बार पूछा गया था कि उनके बारे में सबसे अजीब अफवाह क्या है। इस पर आलिया ने जवाब दिया था कि उन्होंने सुना था वह महेश भट्ट और पूजा भट्ट की बेटी हैं, जिस पर सेट पर मौजूद सभी लोग हंस पड़े थे। महेश भट्ट, पूजा की मां लॉरेन ब्राइट से एक बेहद अनोखी और कठिन प्रेम कहानी से जुड़े रहे। महेश जब सिर्फ 16 साल के थे और लॉरेन 14 की, तभी दोनों मिले थे।

ख़ास ख़बर

चौरी बाजार के चकिया तिराहे पर निकासी के अभाव में गंदा पानी जमा

बिन बारिश झील बनी सड़क

भदोही। जिले के चौरी बाजार में बिन बारिश झील बनी सड़क अब आवागमन होने पर मुश्किल हो गया है,चौरी बाजार में चकिया तिराहा पर पानी निकासी की कोई व्यवस्था न होने से बिन बारिश सड़क झील बन गई, सड़क पर जमे गंदे पानी से लोगों के लिए आवागमन करना मुश्किल हो गया है इसे आसानी लोगों को भी दिक्कत हो रही है लेकिन पानी निकासी की ओर किसी स्तर से ध्यान नहीं दिया जा रहा है। भदोही ब्लाक के चकभुईधर ग्राम सभा में वर्षों पूर्व डोर टू डोर पर पेयजल आपूर्ति के लिए राजकीय नलकूप लगाया गया। इसी नलकूप चौरी बाजार के आधे हिस्से में पेयजल की आपूर्ति डोर टू डोर की जाती है। फोरलेन सड़क निर्माण के लिए खुदाई की वजह से वाराणसी भदोही मार्ग पर चकिया तिराहा के पास लगभग 6 माह पूर्व जल निगम द्वारा बिछाई गई भूमिगत पाइप क्षतिग्रस्त हो गई है, इससे सड़क पर पानी जमा होने लगा है। व्यापारियों को द्वारा कई बार पाइप दुरुस्त करने की मांग किए जाने के बाद भी कोई कार्य नहीं किया। व्यापारियों ने कहा कि सड़क किनारे खुदाई करने से जल निगम की भूमिगत पाइप क्षतिग्रस्त हो गई और पानी जमा होने लगा उक्त स्थान पर आए दिन दुर्घटना हो रही है व इस स्थान पर सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत भी हो चुकी है इसके बावजूद भी विभाग मामले को संज्ञान में नहीं ले रहा है सड़क पर बह रहे पानी के कारण दुकानदारी प्रभावित हो रही है इस मार्ग से दर्जनों की संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं का आगमन होता है इस स्थान के पास एक निजी विद्यालय भी संचालित होता है वाहनों के पहिए द्वारा पैदल जाने वाले साइकिल सवार व बाइक सवार लोगों के ऊपर पानी का छींटा पड़ने से विवाद होते होते बढ़ जाता है।

बांदा : आयुष्मान कार्ड बनाने को 25 नवंबर से 25 दिसंबर तक चलेगा विशेष अभियान

बांदा। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा की जिलाधिकारी जे. रीभा के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभागार में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत गोल्डन कार्ड बनवाने से सम्बंधित महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जानकारी दी कि 70 वर्ष आयु वर्ग के छूटे हुए लाभार्थियों, अन्त्योदय कार्ड धारकों (छह यूनिट वाले) और अन्य पात्र लोगों के लिए 25 नवंबर से 25 दिसंबर 2025 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। सीएमओ ने सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को माइक्रोप्लान के अनुसार गोल्डन कार्ड बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष कैंप लगाए जाएंगे। साथ ही अस्पतालों के पंजीकरण काउंटरों पर भी इस संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए, ताकि अधिक से अधिक लोग योजना का लाभ ले सकें। बैठक में यह भी बताया गया कि जिन श्रमिकों के ई-श्रम कार्ड बने हैं, उनके भी आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाए जाएंगे। अभियान के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम प्रधान, राशन कोटेदार, एडीओ पंचायत तथा शहरी क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ता, वार्ड सदस्य और राशन कोटेदार के सहयोग से सभी पात्र लाभार्थियों के कार्ड बनवाए जाएंगे। योजना के तहत लाभार्थियों को 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। बैठक में परियोजना निदेशक, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले 5 बीएलओ को किया सम्मानित

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा में जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी जे. रीभा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित कार्यक्रम में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2025 के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच बीएलओ को सोमवार प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। डीएम ने कार्यक्रम में मतदाता सूची के एसआईआर में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बीएलओ राजेश कुमार, सहायक अध्यापक 233 विधानसभा क्षेत्र बबेरू, रमेश कुमार, सहायक अध्यापक 233 विधानसभा क्षेत्र बबेरू, आदित्य रिछारिया, सहायक अध्यापक 232 विधानसभा क्षेत्र तिंदवारी, कमलेश कुमार, सहायक अध्यापक 234 विधानसभा क्षेत्र नरैनी, गायत्री देवी, शिक्षामित्र 235 विधानसभा क्षेत्र बांदा को सम्मानित किया गया।इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि अन्य बीएलओ भी इसी प्रकार अपनी-अपनी विधानसभा क्षेत्रों में निर्वाचन नामावली के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य को गंभीरता व जिम्मेदारी के साथ पूरा करें। कार्यक्रम के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) कुमार धर्मेंद्र तथा सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी आर.एस. रजौरिया भी उपस्थित रहे।

फतेहपुरः फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर धोखाधड़ी करने वाले तीन अपराधी गिरफ्तार

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में सोमवार को साइबर क्राइम सेल ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। ये लोग फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर गिरफ्तारी का डर दिखाकर लोगों से लूटपाट करते हैं। साइबर क्राइम प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि ग्राम भगवानपुर निवासी त्रिभुवन सिंह उर्फ राम सनेही, जितेन्द्र सिंह और ग्राम मीरपुर निवासी राहुल सिंह को गिरफ्तार किया है। इनके पास से घटना में प्रयुक्त चार मोबाइल फोन बरामद हुआ हैं। ये लोग फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर कूटरचित तरीके से विभिन्न मोबाइल सिमों का प्रयोग कर आम जनता को मोबाइल पर अश्लील वीडियो देखने पर आरोपित करते हुए मुकदमा दर्ज कराने एवं गिरफ्तारी का भय दिखाकर रुपये की अवैध वसूली कर रहे थे। वहीं, ये लोग वित्तीय धोखाधड़ी की धनराशि पीड़ित से विभिन्न बैंक खातों में प्राप्त कर जनसेवा केन्द्रों के माध्यम से आहरित कर लिया जाता है। इस प्रक्रिया में विभिन्न जनसेवा केन्द्रों का बैंक खाता भी फ्रीज किया गया। गिरोह में शामिल अभियुक्तों का पूर्व आपराधिक इतिहास भी है। इस मामले की शिकायत मिलने के बाद साइबर सेल सक्रिय हुई और इन तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मंडप में दुल्हन ने शादी से किया इनकार,लड़के वालों ने दहेज में 25 हजार कम होने पर किया हंगामा

» दुल्हन ने दुल्हे के स्वागत में खुब पहले डांस भी किया

तरुणमित्र

भदोही। वाराणसी में एक शादी के मौके पर ऐसा बवाल हुआ कि पूरा समारोह चर्चा का विषय बन गया खूबसूरती से सजाए गए लॉन में मंडप तैयार था, मेहमानों की भीड़ थी दुल्हन स्टेज पर जयमाल के लिए सजी धजी पहुंच चुकी थी। ठीक इसी वक्त दूल्हे पक्ष की डिमांड ने पूरी खुशी को बदल दिया दहेज में मात्र 25000 रुपए बकाया को लेकर दूल्हे और उसकी मां ने ऐसा हंगामा किया की दुल्हन ने पुलिस बुला ली और शादी से मना कर दिया। यह घटना शिवपुर के बसही स्थित मंगल मंडपम में हुई, नई बस्ती पांडेपुर निवासी चांदनी जयसवाल की शादी भदोही के सुरियावा निवासी रोहित जायसवाल से तय हुई थी। लड़का मुंबई में प्राइवेट नौकरी करता है मुंबई में उसका फ्लैट भी है, जहां लड़की ने काशी विद्यापीठ से MA किया है। रविवार शाम दुल्हन लहंगा, लाल चुनरी ओढ़ हथेलियां पर मेहंदी रचाई, अपने होने वाले दूल्हे का बेसब्री से स्टेज पर इंतजार कर रही थी। बारात बैंड बाजे के साथ धूमधाम से पहुंची। दुल्हन ने दूल्हे के स्वागत में डांस भी किया, लेकिन दूल्हे ने जयमाला स्टेज पर चढ़ने से मना कर दिया। कारण पूछा गया तो सामने आया कि दूल्हे और उसके परिवार को दहेज में 200000 में से 25000 की बकाया राशि चाहिए थी दुल्हन के पिता राजेंद्र प्रसाद जायसवाल जो सब्जी बेचकर परिवार चलते हैं उन्होंने समझाने की कोशिश की और भरोसा दिलाया कि बकाया राशि दे दिया जाएगा लेकिन दूल्हे की मां और बाकी परिजन किसी भी तरह से मानने को तैयार नहीं थे लालच पिता को कर्ज लेकर तुरंत 25000 रुपए देनी पड़े इसके बाद ही दूल्हा स्टेज पर आया और जयमाल की रस्म पूरी हुई।

खाने के वक्त फिर बढा बवाल

दुल्हन के पिता राजेंद्र प्रसाद जायसवाल ने बताया दहेज देने के बाद लग रहा था कि अब सब सामान्य हो जाएगा लेकिन दूल्हे पक्ष का रवैया यही नहीं थमा, भोजन के समय लड़के वालों ने अपने मेहमानों के लिए लिफाफे में राशि देने की मांग शुरू कर दी इसके साथ ही वे हम लोगों को बार-बार अपमानित करने लगे। दुल्हन चांदनी पिता की बेज्जती देख टूट गई आंसू भरे लेकिन मन से उसने फैसला किया कि वह अब यह शादी नहीं करेगी और तुरंत पुलिस को फोन कर दिया।

पिता बोले- दूल्हे पक्ष की डिमांड ने मेरे परिवार को तोड़ दिया

दुल्हन के पिता राजेंद्र प्रसाद जायसवाल ने कहा कि मैं मेहनत मजदूरी कर सब्जी बेचकर बेटी को पढ़ाया लिखाया और उसकी शादी धूमधाम से करने का सपना देखा था लेकिन दूल्हे पक्ष की डिमांड और दुर्व्यवहार ने मेरे परिवार को तोड़कर रख दिया चांदनी ने कहा कि मेरे पिता अब तक शादी पर लगभग 15 लाख रुपए खर्च कर चुके हैं लेकिन लड़के वालों की मांग कम नहीं हुई, इस पर चांदनी ने शिवपुर थाना पुलिस को एप्लीकेशन देकर दूल्हे और उनके परिवार पर मुकदमा दर्ज कराया। हालांकि इस घटना ने बेटियों को लेकर समाज में एक सकारात्मक संदेश भी भेजा है, लोग दुल्हन के इस साहसिक कमद की सराहना कर रहे हैं कि उसने गलत का विरोध किया और अपने पिता की इज्जत के लिए खड़े होकर दहेजखोरों को कानून के हवाले कर दिया।

दूल्हा पहुंचा थाने दुल्हन ने मांगा इंसाफ

सूचना मिलते ही शिवपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची दूल्हे को उसके परिवार सहित थाने में ले गई दूल्हे के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे हवालात में डाल दिया गया। दुल्हन ने स्पष्ट कहा कि वह ऐसे परिवार में शादी कर अपना जीवन बर्बाद नहीं कर सकती अब लड़की पक्ष शादी पर हुए पूरे खर्च की भरपाई की मांग कर रहा है।

दिवि युवा सम्मान 2025 कार्यक्रम सकुशल सम्पन्न

तरुणमित्र

वाराणसी। दिवि वेलफेयर सोसाइटी एवं इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ बिजनेस (अमेरिका) के संयुक्त तत्वावधान में बीएचयू के अटल इन्क्यूबेशन सेंटर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के दौरान समाज सेवा, शिक्षा, जनकल्याण एवं सामाजिक नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सात युवाओं को "दिवि युवा सम्मान 2025" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और जनहित में निरंतर सक्रिय रहने वाले युवाओं को प्रेरित करने की दिशा में दिवि वेलफेयर सोसाइटी की महत्वपूर्ण पहल है।

इस वर्ष सम्मानित व्यक्तियों में शामिल हैं—

अमन कबीर (अमन कबीर ट्रस्ट),

रश्मि सिंह (अपनी पाठशाला – दिवि),

रौशन पटेल (रोटी बैंक),

विनोद राव (सोशल फिल्मकार), सीमा चौधरी (युवा फाउंडेशन), डॉ. कुंदन कपूर (कामख्या सेवा संस्थान), शुभम सिंह (अक्षरदीप सेवा ट्रस्ट)। इसके अतिरिक्त, विशेष श्रेणी में महिला भूमिहार समाज की डॉ. राजलक्ष्मी राय एवं पूनम जी को भी सम्मानित किया गया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. प्रदीप कुमार मिश्रा (IIT BHU), प्रो. जगदीश राय (अध्यक्ष, दिवि फाउंडेशन), प्रो. ए. जैन (IIT रुड़की), प्रो. राकेश उपाध्याय (सह कार्यवाह, काशी प्रांत, प्रोफेसर विद्यापीठ), प्रो. तेज प्रताप सिंह (BHU), महाराज सचिंद्रानंद जी, श्रीकुल पीठ श्री सुमित सिंह (भारत सरकार), प्रो. मोहम्मद आरिफ (विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान, MGKVP), डॉ. स्वाति त्यागी तथा डॉ. संघदीप गौतम सहित कई विशिष्ट अतिथि एवं आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ तथा दिवि वेलफेयर सोसाइटी ने समाज में प्रेरक योगदान देने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः व्यक्त किया।

भदोही में दर्दनाक हादसाःजहरीली गैस से तीन लोगों की हुई मौत

सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटना की जांच जारी है और गैस लीकेज के कारणों का पता लगाया जा रहा है। हादसे के बाद फैक्ट्री कर्मियों में आक्रोश व दहशत फैल गई है। परिवारों में कोहराम मच गया है। मौके पर पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।

तरुणमित्र

» भदोही कालीन कंपनी में मोटर ठीक कर रहे थे मैकेनिक; दहशत

भदोही। जिले के एक कालीन कंपनी में उस समय हड़कंप मच गया, जब डाइंग हाउस के केबिन में उतरकर मोटर ठीक करने गए तीन मैकेनिकों की जहरीली गैस के कारण मौत हो गई। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल है। दयालापुर निवासी शितला मिश्र (55), सहसेपुर के शिवम् दुबे (32) और मध्यप्रदेश के राजकिशोर तिवारी (52), औराई स्थित एक कालीन कंपनी में इलेक्ट्रिशियन व मोटर मैकेनिक थे। डाइंग हाउस में बिगड़ी मोटर को ठीक करने के लिए केबिन में उतरे थे। बताया जा रहा है कि केबिन में कुछ समय पहले वॉशिंग और ई.टी.पी. प्लांट से जुड़ी प्रक्रिया के दौरान जहरीली गैस भर गई थी। जैसे ही तीनों मजदूर नीचे उतरे, जहरीली गैस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। बाहर मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

औरैया में जनेतपुर हाईवे पर दो डीसीएम की भिड़ंत, एक युवक की मौत

तरुणमित्र

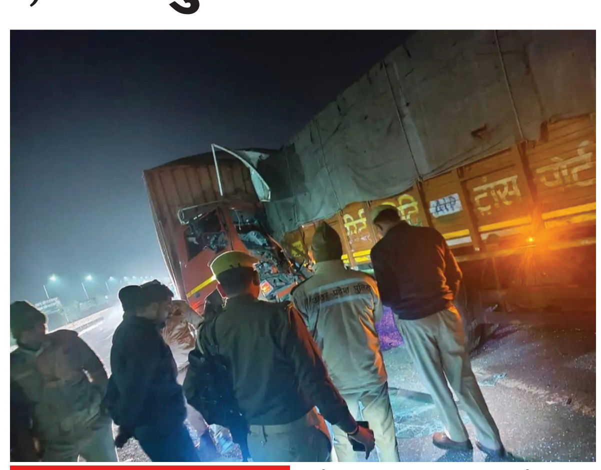

» हादसे के बाद चालक फरार, पुलिस जांच में जुटी

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद की कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जनेतपुर स्थित सुदिति ग्लोबल स्कूल के सामने नेशनल हाईवे पर रविवार–सोमवार की मध्यरात्रि करीब 2:30 बजे हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दुर्घटना के बाद एक डीसीएम का चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। टक्कर में दोनों वाहनों के आगे के हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। कोतवाली प्रभारी राजकुमार सिंह ने बताया कि डीसीएम UP79T 9518 के चालक अर्पित सिंह पुत्र प्रमेश सिंह चौहान, निवासी अमाईन, जिला भिंड (मध्य प्रदेश), सड़क किनारे वाहन खड़ा कर टायर की हवा चेक कर रहे थे। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आ रही डीसीएम HR55 AK 4572 ने लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए खड़ी डीसीएम में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि HR55 AK 4572 का आगे का हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे में उक्त डीसीएम में सवार योगेंद्र सिंह (37 वर्ष) पुत्र रघुनाथ सिंह, निवासी कसोलर, थाना मंगलपुर, जिला कानपुर देहात की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी है। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और टोल क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया। मृतक के शव को 50 शैय्या अस्पताल औरैया होते हुए चिचौली मोर्चरी भेजा गया। पुलिस के अनुसार फरार चालक की पहचान के लिए जांच जारी है।

कानपुर में भाजपा कार्यकर्ता एसआईआर प्रक्रिया का कर रहे दुरुपयोग : संदीप शुक्ला

तरुणमित्र

कानपुर। कांग्रेस ग्रामीण जिला कमेटी के अध्यक्ष संदीप शुक्ला ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया का दुरुपयोग कर रही है। उनकी पार्टी के कार्यकर्ता मतदाताओं से फॉर्म लेकर सही नाम हटवाकर अपने पक्ष के गलत नाम दर्ज करा रहे हैं, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ है।उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कानपुर ग्रामीण संगठन ने सोमवार को जिलाधिकारी को एक मांग पत्र सौंपकर एसआईआर के दौरान मतदाता पहचान पत्रों में हो रही कथित गड़बड़ियों पर रोक लगाने और जिम्मेदार बीएलओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। संदीप शुक्ला ने पत्रकारों को बताया कि इस तरह की अनियमितताओं को रोकने के लिए आज जिलाधिकारी के माध्यम से चुनाव आयोग को मांग पत्र सौंपते हुए निष्पक्ष मतदाता सूची तैयार कराने की मांग की गई है। एसएसआर के दौरान हो रही गड़बड़ियों की त्वरित जांच कराकर दोषी बीएलओ के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। मतदाता सूची को पारदर्शी और सही बनाए रखने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो पार्टी बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होगी।

संभल हिंसा का एक साल : डीएम और एसपी ने पुलिस बल के साथ किया फ्लैग मार्च, 2000 लोग पाबंद

तरुणमित्र

संभल। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल में शाही जामा मस्जिद के दूसरे सर्वे के दौरान हुई हिंसा की घटना के एक वर्ष पूर्ण होने पर संभल प्रशासन सतर्क है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए डीएम और एसपी ने भारी पुलिस बल के साथ नगर में किया फ्लैगमार्च किया। इसके अलावा जिला प्रशासन ने 2000 लोगों को पाबंद भी किया है। जनपद संभल की सदर कोतवाली क्षेत्र में स्थित शाही जामा मस्जिद के दूसरे सर्वे के दौरान पिछले वर्ष 24 नवंबर को हिंसा की घटना हुई थी। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हुई थी जबकि पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी अनुज चौधरी सहित कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे। इस घटना को आज एक वर्ष पूरा होने पर प्रशासन अलर्ट नजर आया और जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया तथा पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने भारी पुलिस बल के साथ नगर में फ्लैगमार्च किया और लोगों में सुरक्षा की भावना का एक संदेश दिया। डीएम संभल डॉ राजेंद्र पैंसिया ने कहा कि आज फ्लैगमार्च निकालने का उद्देश्य लोगों में सुरक्षा की भावना जाग्रत करना तथा इस दौरान 19 मजिस्ट्रेट, आरआरएफ तथा 2 बटालियन पीएसी को तैनात किया गया है और 2000 लोगों को पावंद किया गया है। पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि संभल शहर की सुरक्षा के लिए एक कंट्रोल रूम तैयार किया गया है, जिसमें ढाई सौ कैमरे लगे हैं जिससे नगर के कोने कोने पर निगाह रखी जा रही है।

तिब्बत के राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग ने लखनऊ विवि में "तिब्बतियन अवेयरनेस टॉक" कार्यक्रम को किया संबोधित

तरुणमित्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ प्रवास पर आए तिब्बती निर्वासित सरकार (केंद्रीय तिब्बती प्रशासन) के राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग ने सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस सप्ताह के अंतर्गत एक कार्यक्रम में शामिल हुए। बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पेम्पा त्सेरिंग ने एपी सेन सभागार में इंटरनेशनल लेक्चर "तिब्बतियन अवेयरनेस टॉक" अंतर्गत पर्यावरण और सुरक्षा पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में जब तिब्बत था तो उस समय वहां का माहौल कैसा था, प्रकृति के बेहद करीब तिब्बत के मूल स्वरूप को चीन किस प्रकार तबाह कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. अरविंद मोहन ने की। प्रस्तावना राजनीति शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता, समन्वयक प्रो. आंचल श्रीवास्तव, निदेशक सांस्कृतिक एवं संचालन प्रो. अमित कुशवाहा ने संयुक्त रुप से किया। कार्यक्रम में तिब्बती लोगों के साथ ही शिक्षक गण और भारी संख्या में छात्र छात्राओं ने सहभागिता की।

पांच दिवसीय महोत्सव में आप सभी है आमंत्रित

विरार : कल है श्री द्वारकाधीश मंदिर की भव्य प्राण-प्रतिष्ठा समारोह

• जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज के सानिध्य में होगा कार्यक्रम

तरुणमित्र-ओमप्रकाश द्विवेदी

पालघर। जिले के विरार पूर्व शिरगांव में अद्वितीय नक्काशी वाले नव निर्मित भव्य और दिव्य भगवान श्री द्वारकाधीश मंदिर का २६ नवंबर को प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के साथ पंचम दिवसीय महोत्सव की तैयारी पूरी हो चुकी है। भगवान श्री द्वारकाधीश मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह एवं महोत्सव जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज के सानिध्य में महायज्ञ एवं उनके कर कमलों द्वारा पट्ट खोलने से आरंभ होगा। बताया जा रहा है कि परम पावन धाम अयोध्या में निर्मित मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम मंदिर की कलाकृतियों पत्थरों के नक्काशी से जुड़े कारीगरों ने विरार पूर्व में निर्मित भगवान श्री द्वारकाधीश मंदिर को वैसे ही पत्थरों पर शिल्पकारी करके दिव्य स्वरूप देने की कोशिश की है।

समारोह की रुपरेखाः-

वसई- विरार महानगर पालिका की प्रथम महिला महापौर प्रविणा ठाकुर की प्रेरणा से तैयार पालघर का गौरव कहीं जाने वाली मंदिर में सर्व प्रथम प्रथम दिवस २६ नवंबर को वेदपाठी ब्राह्मणों द्वारा यज्ञ देवता का षोडशोपचार पूजन,मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा पूजन, उदघाटन तदनंतर दुसरे दिवस २७ नवंबर को जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी जी का आर्शिवचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम,२८ को अनुप जलोटा संग भजन संध्या,२९ को भव्य भगवान द्वारकाधीश के दर्शन व ढोल-ताशा और उसके अगले दिवस ३० नवंबर को महाभंडारा, प्रसाद वितरण व अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से महोत्सव का अवसान होगा। पूर्व महापौर प्रविणा ठाकुर व पूर्व विधायक हितेंद्र ठाकुर द्वारा जिले के विरार क्षेत्र को संस्कृति और आस्था का एक विशेष केंद्र बनाने की कोशिश में धार्मिक अध्यात्मिक इस महायज्ञ के साक्षी बनने के लिए सभी से सपरिवार सम्मिलित होने का आग्रह किया गया है। आयोजन समिति से जुड़े स्वयं सेवक विनय तिवारी ने बताया है कि आने वाले सभी श्री कृष्ण भक्तों की सुविधाओं, सुरक्षा, पार्किंग दर्शन के लिए विशेष सुव्यवस्था रखी गयी है।

सभी स्तरों पर बेईमानी की हद', यूपी में जन्म प्रमाण पत्र सिस्टम में गड़बड़ी को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट सख्त

पिंकी राजगुरु

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में राज्य के बर्थ सर्टिफिकेट जारी करने के सिस्टम की कड़ी आलोचना की। हाईकोर्ट ने यह आलोचना उस वक्त की, जब उसे पता चला कि एक याचिकाकर्ता ने दो अलग-अलग बर्थ सर्टिफिकेट बनवाए, जिनमें जन्म की तारीखें बिल्कुल अलग-अलग हैं। यह देखते हुए कि यह सिस्टम "हर लेवल पर मौजूद बेईमानी की हद" को दिखाता है, जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अनीश कुमार गुप्ता की बेंच ने मेडिकल और हेल्थ डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी को यह सुझाव देने के लिए बुलाया कि एक व्यक्ति को सिर्फ़ एक ही बर्थ सर्टिफिकेट जारी किया जाए।

पहली नज़र में यह एक गड़बड़ है। ऐसा लगता है कि कोई भी, किसी भी समय, राज्य में कहीं से भी, अपनी मर्ज़ी से डेट ऑफ़ बर्थ सर्टिफ़िकेट जारी करवा सकता है। एक तरह से यह दिखाता है कि हर लेवल पर कितनी बेईमानी है। इन डॉक्यूमेंट्स को बनवाना कितना आसान है, जिन्हें बताई गई बातों के मज़बूत पहली नज़र में सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है, यहां तक कि क्रिमिनल केस के लिए भी।"

मामला शिवंकी नाम की एक महिला की रिट पिटीशन की सुनवाई के दौरान सामने आया। शॉर्ट में हाईकोर्ट के ऑर्डर के मुताबिक, UIDAI रीजनल ऑफिस लखनऊ के डिप्टी डायरेक्टर ने पिटीशनर से जुड़े कुछ डॉक्यूमेंट्स फाइल किए, जिसमें दो अलग-अलग बर्थ सर्टिफ़िकेट शामिल थे, जो दोनों रजिस्ट्रार ऑफ़ बर्थ्स एंड डेथ्स द्वारा जारी किए गए, लेकिन दो अलग-अलग जगहों से। कोर्ट ने कहा कि मनौता के प्राइमरी हेल्थ सेंटर से जारी पहले सर्टिफिकेट में याचिकाकर्ता की जन्मतिथि 10 दिसंबर, 2007 दर्ज है।

पीठ ने 18 नवंबर को पारित आदेश में टिप्पणी करते हुए कहा, "प्रथम दृष्टया, यह एक गड़बड़ है। ऐसा प्रतीत होता है कि कोई भी व्यक्ति किसी भी समय राज्य में कहीं से भी अपनी इच्छानुसार जन्मतिथि का प्रमाण पत्र जारी करवा सकता है। एक तरह से, यह सभी स्तरों पर मौजूद बेईमानी की सीमा को दर्शाता है, और यह भी कि इन दस्तावेजों को बनवाना कितना आसान है, जिनका उपयोग आपराधिक अभियोजन के लिए भी, उनमें वर्णित तथ्यों के प्रथम दृष्टया मजबूत सबूत के रूप में किया जा सकता है।" यह मामला शिवंकी नामक व्यक्ति द्वारा दायर रिट याचिका की सुनवाई के दौरान प्रकाश में आया।

विश्वास की कीमत 95 लाख, महिला पोस्ट एजेंट पर धोखाधड़ी का सनसनीखेज आरोप

तरुणमित्र/ब्यूरों

नवी मुंबई। नवी मुंबई से सटे पनवेल के खांदेश्वर पुलिस स्टेशन में एक ऐसा चौंकाने वाला मामला दर्ज हुआ है, जिसने आम नागरिकों के सरकारी योजनाओं में निवेश पर भरोसे को झकझोर दिया है. एक महिला पोस्ट एजेंट पर दो निवेशकों के 95 लाख रुपये की भारी भरकम राशि का दुरुपयोग और गबन करने का आरोप लगा है।

पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता रूचिरा कौशिक (46) और एक अन्य लोगो ने आरोपी न्यू पनवेल की रहनेवाली कामिनी पेडणेकर पर गंभीर आरोप लगाए हैं. कामिनी पेडणेकर, जो पोस्ट एजेंट के रूप में काम करती थी. इस ठगबाज महिला ने शिकायतकर्ता और अन्य लोगो का विश्वास जीता और उनके पोस्ट ऑफिस की आर.डी., एम.आई.एस. और अन्य सरकारी योजनाओं में निवेश किए गए पैसे को बिना उनकी सहमति के चुपचाप निकाल लिया. आरोप है कि आरोपी ने 22 सितंबर 2014 से 19 जून 2025 की लंबी अवधि के दौरान इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया. दोनों निवेशकों के कुल 95 लाख रुपये की राशि का दुरुपयोग कर उसे अपने निजी फायदे के लिए इस्तेमाल किया. यह घटना इतने लंबे समय तक चलने के बावजूद, पुलिस में शिकायत 23 नवंबर 2025 को दर्ज की गई.

पुलिस ने बताया कि पहले शिकायत आवेदन की जांच की गई और फिर वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति प्राप्त करने के बाद यह मामला तत्काल दर्ज किया गया. पुलिस सूत्रों के मुताबिक इस महिला ने और भी कई लोगो को इसी तरह चुना लगाई है. इस घटना के बाद और भी शिकायतकर्ताओं के बढ़ने की उम्मीद है. बताते चलें कि यह घटना पोस्ट ऑफिस जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के एजेंटों की कार्यप्रणाली और सरकारी निवेशों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती है. निवेशकों को अपने एजेंटों पर आँख बंद करके भरोसा करने से पहले सतर्क रहने की सख्त जरूरत है. पुलिस अब आरोपी कामिनी पेडणेकर की तलाश कर रही है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है. 95 लाख का गबन करने वाली 'विश्वासघाती' एजेंट कब तक पुलिस की पकड़ से दूर रह पाएगी, यह देखना बाकी है।

बीएनएन महाविद्यालय में डॉ. कोडारकर स्मृति व्याख्यानमाला संपन्न

तरुणमित्र / ब्यूरो

भिवंडी : पानथल (वेटलैंड) क्षेत्रें बाढ़ नियंत्रण और जैवविविधता संरक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान पर्यावरण को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है। आज का समय हरित क्रांति और नील क्रांति का युग है, ऐसा प्रतिपादन प्राचार्य डॉ. शशिकांत म्हालुंकर ने किया। वे पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडल संचालित बी.एन.एन. महाविद्यालय में प्राणीशास्त्र विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, भूगोल विभाग और पर्यावरण दक्षता मंच द्वारा आयोजित डॉ. एम.एस. कोडारकर मेमोरियल व्याख्यानमाला में बोल रहे थे। कार्यक्रम में पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ. उमेश मुंडले, पर्यावरण दक्षता मंडल की पोर्णिमा शिरगावकर, सुरभी वालावलकर ठोसर समेत अन्य मान्यवर उपस्थित थे। मुख्य अतिथि

डॉ. उमेश मुंडले ने कहा कि जलस्रोतों का संरक्षण और संवर्धन समय की मांग है। आज तालाबों का सुंदरीकरण तो किया जा रहा है, लेकिन कंक्रीट की दीवारें बनाकर उसे टैंक का रूप दे दिया जाता है, जिससे तालाब के प्राकृतिक झरने बंद हो जाते हैं और उसका स्वास्थ्य बिगड़ता है। इसलिए तालाब और जलस्रोतों का संरक्षण जरूरी है। इससे पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा और आसपास का परिसर भी बेहतर बनेगा। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पर्यावरण विषय पर पीपीटी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में उपप्राचार्य डॉ. सुधीर निकम, डॉ. दिलीप काकवीपुरे, डॉ. आर.एल. रूपवते, प्रा. बी.के. पाईकराव, डॉ. तेजाली अयरे, मनाली धांगडे तथा विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रस्तावना उपप्राचार्य डॉ. सुवर्णा रावल ने किया, जबकि अतिथियों का परिचय डॉ. प्रसाद कर्णिक ने कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गुलिस्ता अंसारी रईस ने किया और आभार प्रदर्शन उपप्राचार्य डॉ. निनाद जाधव ने किया।

बेहतर बिजाई एवं सीमित मांग से सरसों में नरमी: सुरेश भाई ठक्कर

तरुण मित्र ब्यूरो

ठाणे। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के उपाध्यक्ष एवं ठाणे जिला होलसेल व्यापारी वेलफेयर महासंघ अध्यक्ष सुरेश भाई ठक्कर ने कहा, रबी सीजन की सबसे प्रमुख तिलहन फसल-सरसों की खेती के प्रति भारतीय किसान इस बार भारी उत्साह दिखा रहे हैं क्योंकि मई से ही इसका थोक मंडी भाव सरकारी समर्थन मूल्य से ऊंचा चल रहा है। उत्पादकों को आकर्षक आमदनी प्राप्त हो रही है। ऊंचे दामः सरसों तेल एवं खल का दाम ऊंचा होने से क्रशर्स- प्रोसेसर्स इस बार किसानों से ऊंचे दाम पर सरसों की खरीद करने से नहीं हिचक रहे हैं। सरसों डीओसी में चीन की जबरदस्त मांग बरकरार है। लेकिन 15-21 नवम्बर वाले सप्ताह के

दौरान कई मंडियों में ऊंचे दाम पर मांग कमजोर पड़ने से सरसों के मूल्य में 100-150 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट आ गई। दूसरी ओर कहीं-कहीं इसमें 50- 100 रुपए प्रति क्विंटल तक की तेजी भी दर्ज की गई। सरसोंः समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 42 प्रतिशत कंडीशन वाली सरसों का भाव दिल्ली में 100 रुपए गिरकर 7000 रुपए प्रति क्विंटल रह गया जबकि जयपुर में 50 रुपए बढ़कर 7300 रुपए बढ़कर 7300 रुपए प्रति क्विंटल हो गया। सामान्य औसत क्वालिटी की सरसों का दाम गंगानगर में 6880 रुपए से घटकर 6740 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गया।राजस्थानः यद्यपि भरतपुर एवं अलवर में सरसों का भाव आज 55 रुपए एवं 100 रुपए तेज रहा लेकिन कोटा में 100 रुपए नरम पड़ गया। उधर धनेरा मंडी में कीमत में 225 रुपए प्रति क्विंटल की भारी गिरावट देखी गई और हरियाणा के सिरसा में भी दाम 100 रुपए नीचे गिर गया। मध्य प्रदेश में 50 रुपए का सुधार आया जबकि उत्तर प्रदेश की हापुड़ एवं आगरा मंडी में कोई बदलाव नहीं देखा गया। सरसों तेलः सरसों तेल का दाम दाम या तो स्थिर रहा या इसमें 1-2 रुपए प्रति किलो की नरमी रही। इसके कारोबार की तीव्रता में कमी आ गई।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने महेश दायमा को किया सम्मानित

तरूण मित्र, मुंबई

मीडिया क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए की मीडिया सॉल्यूशन के महेश दायमा को केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा सम्मानित किया गया । भारत 24 न्यूज़ चैनल की तरफ से ललित होटल में आयोजित कार्यक्रम में मीडिया जगत में उनके सराहनीय कार्य को देखते हुए बेस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया । इस मौके पर भारत 24 चैनल के मालिक जगदीश चंद्रा, कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार भी उपस्थित थे। यह सम्मान मीडिया और पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान को प्रदर्शित करता है।

शहर में हीट वेव टेम्परेचर 35° के पार, अगले दो से तीन दिनों में गर्मी और बढ़ने के संकेत

तरुण मित्र ब्यूरो

ठाणे। लोगों को उम्मीद थी कि भारी बारिश की वजह से यह सर्दी सुहावनी होगी। लेकिन, नवंबर के आखिरी हफ्ते में ही ठाणे में गर्मी ने सचमुच कहर बरपा दिया। गुरुवार को शहर का मैक्सिमम टेम्परेचर 35 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जिससे कड़ाके की ठंड के बीच लोगों में 'अक्टूबर जैसी गर्मी का एहसास होने लगा। पिछले तीन-चार दिनों से टेम्परेचर लगातार बढ़ रहा है और दोपहर में घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। 30° सेल्सियस से 35° तक के उछाल ने सर्दी का मज़ा पूरी तरह खत्म कर दिया है। मेटियोरोलॉजिकल डिपार्टमेंट ने अनुमान लगाया है कि अगले 48 से 72 घंटों में टेम्परेचर और बढ़ेगा। ठाणेकर इस बदलते मौसम से सचमुच तंग आ चुके

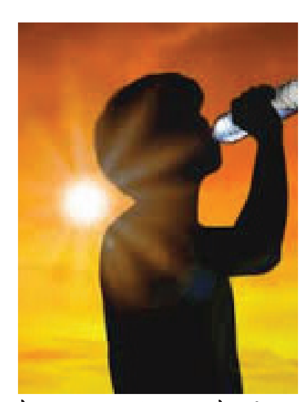

हैं, सुबह हल्की ठंड और दोपहर में चिलचिलाती धूप। मिट्टी में नमी, सूरज की तेज़ धूप और सूखी गर्म हवाओं की वजह से तापमान तेज़ी से बढ़ा है। अभी जो तापमान बढ़ रहा है, वह कुछ समय के लिए है। कुछ दिनों में पारा गिरेगा और काफी ठंड होगी। यह गर्मी मिट्टी में नमी और मौसम में बदलाव की वजह से बढ़ी है। ऐसा कहा जा रहा है। जिला शल्य चिकित्सक डॉ कैलाश पवार का कहना है कि इस गर्मी से सेहत पर गंभीर साइड इफ़ेक्ट हो सकते हैं। शरीर में पानी की मात्रा कम होने से चक्कर आना, सांस की दिक्कतों का खतरा, सूरज की किरणों के सीधे संपर्क में आना, आंखों में चमक और अंधेरा छाना। इसलिए, ज़रूरत पड़ने पर ही बाहर निकलना चाहिए, खूब पानी पीना चाहिए, धूप से बचने के लिए चश्मा और टोपी पहननी चाहिए। ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन डिज़ास्टर मैनेजमेंट ऑफिस से रिकॉर्ड तापमान के अनुसार --21 नवंबर को मैक्सिमम 33.2 मिनिमम 21.6 डिग्री, 22 नवंबर मैक्सिमम 34.2. मिनिमम 22.7 डिग्री , 23 नवंबर मैक्सिमम 34.7. मिनिमम 23.6 डिग्री और 24 नवंबर को मैक्सिमम 34.8 और मिनिमम 23.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है।

दोपहर के वक्त गैस बंद, महिलाओं में नाराज़गी; कंपनी ने दिया स्पष्टीकरण

घोड़बंदर में गैस सप्लाई बाधित, हजारों परिवारों की रसोई ठप

तरुणमित्र युसुफ पुरी

ठाणे : घोड़बंदर क्षेत्र के कई इलाकों में सोमवार दोपहर 12 बजे से गैस सप्लाई अचानक बंद हो गई। ठीक दोपहर के भोजन के समय गैस ठप पड़ने से हजारों परिवार परेशान हो गए। गृहिणियों में नाराज़गी फैल गई, क्योंकि अचानक खाना बनाना मुश्किल हो गया। कई परिवारों को मजबूरन बाहर से खाना मंगवाना पड़ा। घोड़बंदर के आनंद नगर, साईनगर, विजय पार्क, कासारवडवली समेत कई बड़े आवासीय क्षेत्रों में रहने वाले अनेक उपभोक्ताओं को गैस बंद होने की कोई पूर्व सूचना नहीं मिली। सप्लाई रुकते ही नागरिकों में गोंधल निर्माण हुआ। कई लोगों ने तुरंत महानगर गैस कंपनी से संपर्क किया, तब जाकर उन्हें पता चला कि

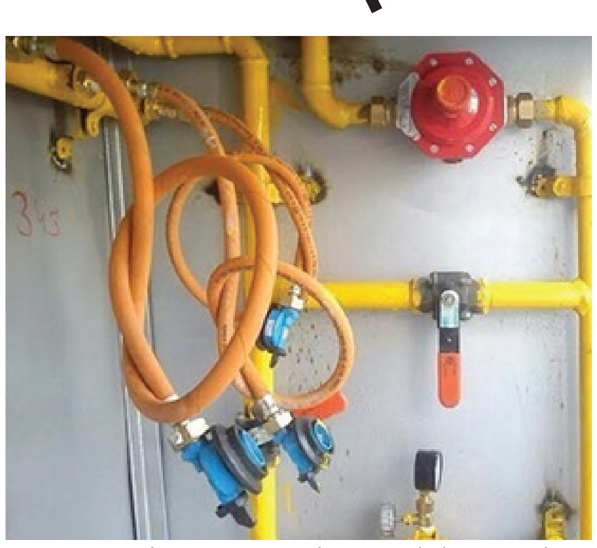

तकनीकी मरम्मत के कारण सप्लाई रोकी गई है।

कंपनी के अनुसार गैस सप्लाई दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक बंद रहने वाली थी। लेकिन लंच के समय अचानक बंद होने के कारण

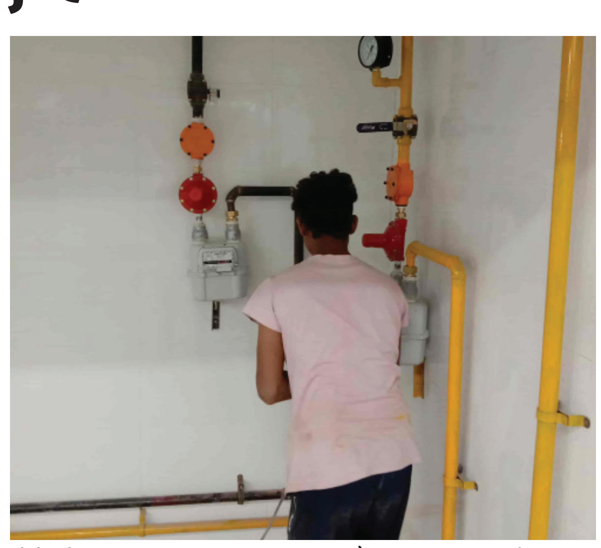

लोगों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। एक स्थानीय नागरिक ने नाराज़गी जताते हुए कहा, "अगर शाम तक गैस शुरू नहीं हुई, तो रात का खाना भी बाहर से लेना पड़ेगा। इससे अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।"

महानगर गैस कंपनी का बयान : कंपनी ने बताया कि• विजय पार्क, साईनगर, आनंद नगर, टीएमसी रोड, कासारवडवली रोड तथा ठाणे पश्चिम के राम मारुति रोड इन क्षेत्रों में गैस पाइपलाइन के रखरखाव और मरम्मत का कार्य चल रहा है। इस कारण सोमवार सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक गैस सप्लाई बाधित रखने का निर्णय लिया गया था। कंपनी का दावा है कि पंजीकृत उपभोक्ताओं को इसके लिए एसएमएस के जरिए सूचना भेजी गई थी। घोड़बंदर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र में अचानक गैस बंद होने से नागरिकों में असंतोष है। लोगों का कहना है कि ऐसे कामों की स्पष्ट और समय रहते सूचना दी जानी चाहिए, ताकि घरों की दैनिक दिनचर्या प्रभावित न हो।

तीन अलग-अलग चोरी की घटनाओं में लाखों का माल चोरी

तरुणमित्र/ब्यूरो

नवी मुंबई। पनवेल तालुका और न्हावाशेवा पुलिस थाना क्षेत्र में अज्ञात चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाया और लाखों रुपये के सोने के गहने और नकदी चुरा ली. दोनों घटनाओं में पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर चोरो का तलाश सुरु की है. जबकि इस घटना से नागरिको में भय का माहौल देखा जा रहा है। पनवेल तालुका पुलिस थाने में चिखले के रहनेवाले 69 वार्षिय बुजुर्ग की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज की है. पुलिस के मुताबिक जब बुजुर्ग तीन दिन के लिए बाहर गए थे तब आरोपी बुजुर्ग के बेलवली स्थित घर के दरवाजे का ताला और कुंडी तोड़कर घर में प्रवेश किया. चोरों ने 15 ग्राम वजन का सोने का मंगलसूत्र और नकद चुरा लिए. इसके बाद जब रविवार को बुजुर्ग घर आये तो चोरी का पता चला. न्हावाशेवा पुलिस थाने में उरण के जेएनपीए टाउनशिप में दो घरों में एक ही दिन मे चोरो ने चोरी की घटना को अंजाम दिए जाने का पुलिस ने मामला दर्ज की है. यह घटना दिनांक शनिवार सुबह 9 बजे से रविवार रात 11 बजे के बीच हुई. अज्ञात चोरों ने शिकायतकर्ता पायल रूलहन और उनके पड़ोसी विजय शाम खेत्रे के घरों के दरवाजे के ताले तोड़कर प्रवेश किये. इसके बाद पायल के घर से चोरों ने कुल 82 ग्राम सोने के गहने चुराए. विजय खेत्रे के घर से चोरों ने कुल 56 ग्राम सोने के गहने, 30 ग्राम चांदी का ब्रेसलेट और 85,000 रुपये की नकद राशि चुराई. दोनों घरों से मिलाकर, चोरों ने कुल 138 ग्राम सोना, 30 ग्राम चांदी, और 85,000 रुपये नकद चुराए, जिसकी कुल अनुमानित कीमत 14,39,860 रुपये है. पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश कर रही है।

स्वामी-स्व. कैलाशनाथ प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक स्वतंत्र कुमार द्वारा नवभारत प्रेस लिमिटेड, नवभारत भवन प्लाट नंबर-13 सेक्टर 8 सानपाडा (पूर्व) नवी मुंबई : 470709 से मुद्रित एवं पत्राकार सदन लोकमान्य नगर नं. 4 ठाणे- 400606 महाराष्ट्र से प्रकाशित।
RNI No. MAHHIN/2008/27046 संपादक- स्वतंत्र कुमार सिटी कार्यालय- गाला नं. 61 दादोजी कोंडदेव स्टेडियम खारटन रोड, ठाणे(वेस्ट) महाराष्ट्र, मोबा: 09415287970, 7400223777, 9892789606,
ईमेल tarun.thana@gmail.com, www.tarunmitra.in * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं उत्पन्न समस्त विवाद ठाणे न्यायालय के अधीन होंगे।